दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 42
कोटद्वार शुक्रवार
2 जून 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

पंजाब सीएम मान का जेड प्लस सुरक्षा लेने से इन्कार

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र सरकार की जेड प्लस सुरक्षा लेने से इन्कार कर दिया है। केंद्र सरकार ने खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के आधार पर बीते सप्ताह मुख्यमंत्री मान को जेड प्लस सुरक्षा मुहैया कराने का फैसला लिया था और इस संबंध में पंजाब सरकार को पत्र भी भेज दिया था। खुफिया एजेंसियों ने खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी से उपजे हालात के आधार पर भगवंत मान की सुरक्षा बढ़ाने की सिफारिश की थी।

सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि मुख्यमंत्री मान को पंजाब पुलिस की सीएम सुरक्षा टीम द्वारा मुहैया कराई जा रही सुरक्षा पर्याप्त और संतोषजनक है। ऐसे में मुख्यमंत्री को पंजाब और दिल्ली में जेड प्लस सुरक्षा की जरूरत नहीं है। उधर, आम आदमी पार्टी ने कहा गया है कि जेड प्लस सुरक्षा लेने के बाद मुख्यमंत्री को आम लोगों से सीधे संवाद करने में कठिनाई होगी। गौरतलब है कि पंजाब पुलिस ने मुख्यमंत्री और उनके परिवार की सुरक्षा के लिए अपना विशेष कमांडो दस्ता तैयार किया है, जो दिन-रात मुख्यमंत्री और उनके परिवार के सदस्यों को मजबूत सुरक्षा घेरा प्रदान करता है। जेड प्लस सुरक्षा के तहत भगवंत मान की सुरक्षा में सीआरपीएफ के 55 और एनएसजी के 10 कमांडो तैनात होने थे।

चैंपियन ने उमेश कुमार का इस्तीफा मांगा

रुड़की। खानपुर के पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन ने आरोप लगाया कि वर्तमान विधायक उमेश कुमार उनकी ओर से कराए गए कार्यों का झूठा श्रेय ले रहे हैं। उन्होंने उमेश कुमार से इस्तीफे की मांग की। नहर पटरी कैंप कार्यालय पर पत्रकार वार्ता में कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन ने कहा कि खानपुर विधानसभा क्षेत्र के मिलाप नगर और मोहनपुरा में जल निकासी के लिए नाला निर्माण का काम शुरू होने जा रहा है। इसका श्रेय विधायक उमेश कुमार की ओर से लिया जा रहा है। दावा किया कि नाला निर्माण की प्रक्रिया विधायक रहते उन्होंने शुरू कराई थी। काफी समय से वह जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए प्रयास कर रहे हैं।

पूर्व विधायक कुंवर सिंह नेगी का दून में निधन

देहरादून। अविभाजित उत्तर प्रदेश की बदरी केदार विधानसभा के दो बार सदस्य रहे पूर्व विधायक कुंवर सिंह नेगी का हृदय गति रुकने से दून में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार हरिद्वार खड़खड़ी घाट में उनकी दोनों बेटियों ने किया। पूर्व सीएम हरीश रावत, पूर्व विधायक मनोज रावत, मनीष खंडूड़ी समेत अनेक कांग्रेसी नेताओं ने उनके निधन पर शोक जताया है। पूर्व सीएम हरीश रावत, हीरा सिंह बिष्ट समेत अनेक कांग्रेसी नेता उन्हें अंतिम विदाई देने उनके आर्शीवाद एन्क्लेव स्थिति आवास पर भी पहुंचे। वहां वह अपनी बड़ी बेटी रेनू बिष्ट के परिवार के साथ कुछ समय से रह रहे थे।कुंवर सिंह नेगी को उत्तराखंड में वन पंचायतों के लिए कानून बनाने में योगदान के लिए याद किया जाता है। वह बाद में कांग्रेसी राज्य सरकार में दर्जा प्राप्त मंत्री भी रहे। पूर्व सीएम हरीश रावत ने उन्हें याद करते हुए कहा कि उन्हें मिले हरेक दायित्व को उन्होंने गरिमापूर्ण ढंग से संभाला।

वह मूलरुप से रुद्रप्रयाग के पास कोटी गांव के निवासी थे, गोपेश्वर में वह वकालत करते थे।

एनसीईआरटी ने छात्रों की केमिस्ट्री की 'मिस्ट्री' को किया कम

अब नहीं पढ़ने होंगे पीरियोडिक टेबल जैसे टॉपिक

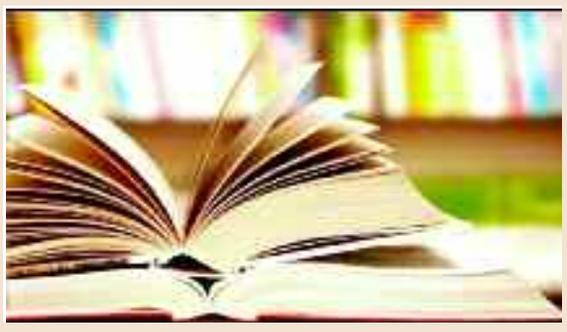

नई दिल्ली, एजेंसी। कभी जिस पीरियोडिक टेबल के आधार पर विज्ञान की पढ़ाई करने वाले छात्रों की प्रतिभा की परख की जाती थी, अब वह स्कूलों में पढ़ने को नहीं मिलेगी। एनसीईआरटी ने दसवीं कक्षा की विज्ञान विषय की नई पुस्तक से इस पूरे पाठ को हटा दिया है। तर्क दिया गया है कि बोझ कम किया गया है। इसके साथ ही प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन और ऊर्जा के स्त्रोत जैसे अध्यायों को इस पुस्तक से हटा दिया है।

एनसीईआरटी का यह बदलाव सिर्फ दसवीं की पाठ्य पुस्तकों और विज्ञान विषय की पाठ्य पुस्तकों तक सीमित नहीं है बल्कि यह छठवीं से लेकर बारहवीं कक्षा तक की किताबों में लगभग सभी प्रमुख विषयों में किया गया है। छठवीं कक्षा से तो कचरा प्रबंधन का अध्याय ही हटा दिया गया है। जबकि स्वच्छता अभियान में बच्चों की भूमिका अहम मानी जा रही है।

एनसीईआरटी ने अपने पाठ्यक्रम से इसके साथ ही दसवीं के सामाजिक विज्ञान के साथ ही ग्यारहवीं व बारहवीं की राजनीतिक विज्ञान विषय से भी कई पाठों को हटाया है। इनमें लोकतंत्र और विविधता, जनसंघर्ष व आंदोलन, राजनीतिक दल, लोकतंत्र की चुनौतियां जैसे पाठ शामिल है। हालांकि, एनसीईआरटी का कहना है कि पाठ्यक्रम में यह बदलाव पिछले शैक्षणिक सत्र यानी 2022-23 में ही किया गया है, जिसे डिजिटल किताबों में तुरंत लागू भी कर दिया गया था। लेकिन इस बदलाव के बाद अब नई किताबें आयी है।एनसीईआरटी के मुताबिक, पाठ्यक्रमों को कम करने का यह फैसला छात्रों के सिर से पढ़ाई के बोझ को कम करने के तहत लिया गया है। पिछले साल नई किताबें नहीं आ पायी थी, जिसके चलते इस बदलाव की जानकारी सभी तक नहीं पहुंच सकी थी। जानकारों की मानें तो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत स्कूलों के लिए तैयार होने वाली नई किताबों के पहले यह कदम उठाया गया है। वैसे भी नीति के शैक्षणिक सत्र 2024-25 में नई किताबें लाने का लक्ष्य रखा गया है।

इस बीच एनसीईआरटी ने छठवीं से बारहवीं कक्षा के अलग-अलग विषयों में किए गए इस बदलाव की जानकारी साझा की है। साथ ही कहा है कि यह एक सामान्य प्रक्रिया है। वह समय-समय से पाठ्यपुस्तकों से उन विषयों को हटाते और जोड़ते है जिसकी जरूरत समझी जाती है या विशेषज्ञ कमेटी उसकी सिफारिश करती है।हाल ही में एनसीईआरटी ने बारहवीं की राजनीतिक विज्ञान की किताब से आनंदपुर साहिब संकल्प में शामिल 'खालिस्तान' और 'सिख राष्ट्र' जैसे शब्दों को हटाने का फैसला लिया था। यह फैसला शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के उस अनुरोध पर किया था, जिसे कमेटी ने सिखों की छवि को खराब करने वाला बताया था। साथ ही यह साफ किया था कि आनंदपुर साहिब संकल्प में इन शब्दों या फिर ऐसी भावना नहीं व्यक्त की गई थी। इससे पहले एनसीईआरटी ने विज्ञान विषय से विकास का सिद्धांत नाम के उस पाठ को भी हटा दिया था, जिसमें डार्विन की थ्योरी भी शामिल थी। जिसे लेकर वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों के एक बड़े वर्ग में नाखुशी भी जताई थी।

सीएम के सुरक्षागार्ड की रायफल से चली गोली, मौत

देहरादून : उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सुरक्षा गार्ड की गुरुवार को गोली लगने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। यह दुर्घटना है या आत्महत्या इस बारे में कोई भी अधिकारी कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। दोपहर को सीएम आवास और राजभवन के बीच में बनी बैरक में गार्ड का शव मिला।

फाईल फोटो सुरक्षा गार्ड प्रमोद रावत।

जानकारी के अनुसार, घटना तीन बजे की है। बताया जा रहा है कि सीएम सुरक्षा में तैनात प्रमोद रावत नाम के गार्ड की सरकारी राइफल से अचानक गोली चली, गोली की आवाज सुनकर वहां तैनात कर्मचारियों और पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया। जब ये सभी वहां पहुचे तो तब तक प्रमोद की मौत हो गयी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। मृतक गार्ड प्रमोद पौड़ी जिले का रहने वाला था। वह 2007 बैच का सिपाही था। वर्तमान में वह 40वीं बटालियन पीएसी में था। बताया जा रहा है कि घर में भागवत थी तो इसके लिए वह लगातार छुट्टी की मांग कर रहा था। छुट्टी नहीं मिली तो उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। एडीजी अभिनव कुमार के अनुसार कि गोली एके-47 से ठोड़ी से सटकर लगी है। अब यह दुर्घटनावश लगी है या आत्महत्या है इस बात की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि छुट्टी 16 जून से मांगी जा रही थी ऐसे में अगर आत्महत्या की है तो यह वजह नहीं हो सकती है। वहीं, एसएसपी दलीप सिंह कुंवर का कहना है कि गार्ड की छुट्टी 16 जून से मंजूर हो चुकी थी। उसने छुट्टी मांगी भी 16 जून से ही थी ऐसे में यह कारण आत्महत्या का नहीं हो सकता है।

22 अफसरों के हुए तबादले, धनंजय बने जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष

देहरादून। उत्तराखंड वन विभाग में 22 अफसरों के तबादले किए गए हैं। प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन को उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड का अध्यक्ष और परियोजना निदेशक नमामि गंगे डॉ. विजय कुमार को उत्तराखंड वन संसाधन परियोजना का मुख्य परियोजना निदेशक बनाया गया है।वन विकास निगम के महाप्रबंधक डॉ. विवेक पांडेय को प्रभार से अवमुक्त करते हुए अपर प्रमुख वन संरक्षक वन अनुसंधान प्रबंधन एवं प्रशिक्षण बनाया गया, जबकि अपर प्रमुख वन संरक्षक रंजन कुमार मिश्र को वन संरक्षण व नोडल अधिकारी के साथ उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड के सदस्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।मुख्य वन संरक्षक नरेश कुमार को मुख्य वन संरक्षक गढ़वाल के साथ पारिस्थितिक पर्यटन, प्रचार एवं विस्तार का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। वन विकास निगम के महाप्रबंधक राहुल को मुख्य वन संरक्षक अनुश्रवण, मूल्यांकन, आईटी और आधुनिकीकरण के साथ बांस एवं रेशा विकास परिषद के मुख्य कार्याधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।

गुमखाल व बैरगांव के मध्य खाई में गिरी कार, चार घायल

पैतृक गांव की पूजा में शामिल होने के बाद देहरादून लौटे रहे थे कार सवार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नजीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुमखाल व बैरगांव के मध्य एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। दुर्घटना में कार सवार चार लोग घायल हो गए। कार सवार पैतृक गांव में आयोजित पूजा में शामिल होकर देहरादून स्थित अपने आवास की ओर लौट रहे थे।

मथुरावाला (देहरादून) निवासी सीताराम सुंद्रियाल गुरुवार को अपनी कार से प्रखंड पोखड़ा के अंतर्गत ग्राम किलवास से देहरादून वापस लौट रहे थे। कार में उनकी पत्नी उमा देवी, पुत्री स्वाति व नाती नितिन भी सवार थे। इस बीच गुमखाल-बैरगांव के समीप उनकी कार अनियंत्रित होकर खड्डे में जा गिरी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही गुमखाल चौकी प्रभारी मुकेश भट्ट मय टीम मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। कार सवार चारों घायलों को उपचार के लिए 108 आकस्मिक चिकित्सा वाहन के जरिए कोटद्वार के बेस चिकित्सालय में भेजा गया। चौकी प्रभारी मुकेश भट्ट ने बताया कि परिवार किलवास में आयोजित पैतृक पूजा में शिरकत कर घर वापस लौट रहा था।

इसी दौरान बैरंगाव पुलिया पर कार अनियंत्रित होकर खड्डे में जा गिरी। दुर्घटना का कारण कार चालक सीताराम सुंद्रियाल को नींद की झपकी आना बताया जा रहा है। इधर, बेस चिकित्सालय से प्राथमिक उपचार के बाद सभी को देहरादून रेफर कर दिया गया।

गुमखाल-बैरगांव के मध्य खाई में गिरी कार

डाइंग फैक्टरी में लगी भीषण आग, दो मंजिलों पर पड़ा सामान खाक

लुधियाना (पंजाब), एजेंसी। पंजाब के लुधियाना में हिंगलांग डाइंग फैक्टरी में गुरुवार की दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। धीरे-धीरे आग ने और विकराल रूप धारण कर लिया। लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। धुएं के गुबार की वजह से इलाके में अंधेरा छा गया। धुआं इतना ज्यादा था कि कई किलोमीटर दूर तक गुबार उठता दिख रहा था।

आसपास के लोगों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन वह कामयाब नहीं हो सके। इसके बाद मामले की जानकारी कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की सभी गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। पांच घंटे से अधिक समय में आग पर काबू पाया गया। आग लगने का कारण पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो सका है। आशंका जताई जा रही है कि शार्ट सर्किट से लगी है।

ताजपुर रोड पर हिंगलांग डाइंग फैक्टरी है। डाइंग में करीब 20 कर्मचारी काम कर रहे थे। इसी दौरान ग्राउंड फ्लोर पर अचानक आग लग गई। आग लगने का पता चलते ही फैक्टरी में काम करने वाले सभी लोग बाहर निकले। उन्होंने आग पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन वह कामयाब नहीं हो सके। देखते ही देखते आग ज्यादा फैल गई और उसने पूरे ग्राउंड फ्लोर को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने से आसपास के लोग भी दहशत में आ गए। पूरे इलाके में धुआं फैल गया। इसी दौरान आग और भी ज्यादा फैल गई तो उसने पहली मंजिल को भी अपनी चपेट में ले लिया। फैक्टरी में केमिकल के साथ-साथ रंगाई का सामान भी पड़ा था। इससे आग और भड़क गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आसपास की दुकानों के ऊपर से फैक्टरी में पानी डालना शुरू किया। वहीं हिंगलांग डाइंग की दीवार तोड़कर अंदर पानी डालकर आग पर काबू पाया गया। फायर अफसर मनिंदर सिंह ने बताया कि आग पर काबू पाने में पांच से छह घंटे का समय लगा है। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। फैक्टरी में डाइंग के लिए कपड़ा आया था।

शिंदे से मिलने पहुंचे शरद पवार

मुंबई, एजेंसी। राकांपा प्रमुख शरद पवार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने वर्षा बंगले पर पहुंचे। दोनों के बीच गुरुवार शाम करीब आधे घंटे तक बातचीत हुई। महा विकास अघाड़ी सरकार गिरने और शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के बाद दोनों नेताओं की यह पहली बैठक है। सूत्रों की मानें तो बैठक में राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लेकर चर्चा हुई।

मन्दिरों की भव्यता के लिए किये जा रहे कार्यों में तेजी लाई जाए : सीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत प्रथम चरण में चिन्हित 16 मन्दिरों की भव्यता के लिए किये जा रहे कार्यों में तेजी लाई जाए। इन मंदिरों के मार्गों में आवागमन की बेहतर सुविधा के साथ ही अन्य जो भी विकास किये जाने है, उसको सुनियोजित तरीके से समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत जो मंदिर विकसित किये जा रहे है, श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए आवागमन की और बेहतर सुविधाएं मिले इस दिशा में निरन्तर कार्य किये जायेंगे। इसके लिए रोड़ कनेक्टिविटी को और मजबूत किया जायेगा।

सीएम पुष्कर सिंह धामी बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के सबंध में बैठक ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन मंदिरों के आस-पास श्रद्धालुओं के लिए ठहरने के लिए होटल, होम स्टे आदि की भी बेहतर व्यवस्थाएं करनी होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत जो भी कार्य किये जा रहे हैं, 20 से 25 सालों में इन धार्मिक स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं की संभावित संख्या को ध्यान में रखते हुए किये जाएं।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि मानसखण्ड कोरिडोर के लिए सड़कों के चौड़ीकरण, सुधारीकरण एवं डामरीकरण के जो कार्य चल रहे हैं उनमें तेजी लाई जाय।

मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत पहले चरण में 16 मंदिरों की भव्यता के लिए कार्य किया जा रहा है। जिसमें जनपद अल्मोड़ा में जागेश्वर महादेव मंदिर, चितई गोलू मंदिर, सूर्यदेव मंदिर कटारमल, कसार देवी मंदिर, नन्दा देवी मंदिर, जनपद पिथौरागढ़ में पाताल भुवनेश्वर मंदिर, हाट कालिका मंदिर, जनपद बागेश्वर में बागनाथ मंदिर, बैजनाथ मंदिर, जनपद चम्पावत में पाताल रूद्रेश्वर, मां पूर्णागिरी मंदिर, मां बाराही देवी मंदिर, बालेश्वर मंदिर, नैनीताल जनपद में नैनादेवी मंदिर, कैंचीधाम मंदिर एवं जनपद उधमसिंहनगर में चैतीधाम मंदिर शामिल हैं।

बैठक में मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी सचिव श्री आर मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, विनय शंकर पाण्डेय, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

विश्वप्रसिद्ध फूलों की घाटी पर्यटकों के लिए खुली

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : विश्वप्रसिद्ध फूलों की घाटी पर्यटकों के लिए खोल दी गयी है। गुरूवार को पहले दिन 40 पर्यटकों ने फूलों की घाटी के दीदार किए। समुद्रतल से लगभग 13000 फीट पर स्थित विश्व धरोहर वैली ऑफ फ्लावर के नाम से भी जाना जाता है। यहां फूलों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। जिसमें ब्रह्मकमल, जैस्मिन, गोल्डन लिली, ब्लू पॉपी, मैरीगोल्ड सहित कई अन्य फूल हैं। पुष्प प्रेमियों के लिए स्वर्ग से कम नहीं है। ब्रिट्रिश पर्वतारोही फ्रेंक स्मिथ इसे दुनिया के सामने लाए।

फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान चमोली जनपद में स्थित है। यह 87.50 वर्ग किमी में फैली हुई है 1982 में राष्ट्रीय उद्यान तथा 1988 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर में शामिल किया। यहां जाने के लिए भारतियों के लिए 150 तथा विदेशी पर्यटकों को 600 रूपये रजिस्ट्रेशन फीस देनी होती है।

विश्वप्रसिद्ध फूलों की घाटी में पहुंचे पर्यटक।

15 जून से पहले मानसून सीजन की सभी तैयारियां पूर्ण करें

अधिकारी मानसून सत्र के दौरान अलर्ट मोड पर रहे, बिना अनुमति के नहीं छोड़ेगें मुख्यालय

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : आपदा प्रबंधन के अंतर्गत आगामी मानसून सत्र की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने गुरूवार को क्लेक्ट्रेट सभागार में जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्देशित किया कि 15 जून से पहले मानसून सीजन की सभी तैयारियां पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि मानसून सत्र के दौरान सभी अधिकारी अलर्ट मोड पर रहे। उन्होंने निर्देशित किया कि मानसून सीजन में कोई भी अधिकारी बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। ब्लाक स्तरीय अधिकारियों को भी संबधित एसडीएम से अनुमति लेनी आवश्यक होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन का फोन अवश्य उठाए। किसी परिस्थिति में फोन रिसीव न कर पाने पर कॉल बैक अवश्य करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि हमारा पूरा प्रयास रहे कि कोई भी जनहानि न हो। जिलाधिकारी ने सड़क निर्माणदायी संस्थाओं को सड़क किनारे नालियों और कलमठों की सफाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर काम के समय जिम्मेदार अधिकारी मौके पर रहे। संवेदनशील स्थलों के आसपास जेसीबी मशीन एवं ऑपरेटर की तैनाती की जाए। साथ ही वैकल्पिक पैदल मार्गों को भी दुरूस्त किया जाए। मार्ग अवरूद्ध होने पर दोनों ओर फंसे यात्रियों को तत्काल राहत सामग्री पैकेट वितरण कराया जाए। जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि आपदा न्यूनीकरण मद से पूर्व में जो धनराशि दी गई थी उसके सभी कार्य पूरा कराते हुए स्थलीय निरीक्षण किया जाए। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को चेताया कि आपदा के कार्यों में किसी भी अधिकारी के स्तर से लापरवाही मिली तो कार्रवाई होगी। इस दौरान जिलाधिकारी ने विगत प्राकृतिक आपदा में क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण कार्यों के लिए एसडीआरएफ एवं आपदा न्यूनीकरण के तहत अवमुक्त एवं व्यय धनराशि की समीक्षा भी की। आपदा प्रबंधन के लिए तहसीलों में उपलब्ध संसाधनों की जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि किसी सामान की आवश्यकता है तो तत्काल इसकी डिमांड उपलब्ध करें। साथ ही तहसील और गांवों को उपलब्ध कराए गए सभी सेटेलाइट फोन की जांच कर ली जाए। तहसील स्तर पर कंट्रोल रूम को एक्टिवेट रखते हुए अधिकारियों व कर्मचारियों के नाम, नंबर भी अपडेट किए जाए। बैठक में डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे, अपर जिलाधिकारी डा. अभिषेक त्रिपाठी, संयुक्त मजिस्ट्रेट डा. दीपक सैनी, सीओ पुलिस नताशा सिंह, सीटीओ मामून जहां, पीडी आंनद सिंह, डीडीओ डा. महेश कुमार, एसीएमओ डा. उमा रावत, तहसीलों से भी एसडीएम सहित आर्मी, आईटीबीपी, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, बीआरओ एवं समस्त विभागों के जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तरांचल विवि में धूमधाम से मना स्थापना दिवस

देहरादून।उत्तरांचल विश्वविद्यालय में गुरुवार को विवि का दसवां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिसमें गजल गायन और हास्य कविताओं के साथ कई प्रस्तुतियां हुईं।

कार्यक्रम का उद्घाटन विवि के संस्थापक व कुलाधिपति जितेंद्र जोशी व संचालक समिति की उपाध्यक्षा अनुराधा जोशी ने केक काटकर किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. श्रवण कुमार ने किया। इसके बाद जाने माने गायक अरूण भट्ट ने अपनी प्रस्तुतियों से इस अवसर को यादगार बना दिया। उन्होंने चुनिंदा गजलों के साथ-साथ श्रोताओं की पसंद पर भी गीत गाये। हास्य कवि राकेश जैन ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को हंसा-हंसाकर लोट-पोट कर दिया। उपकुलपति प्रो. राजेश बहुगुणा ने बताया कि उत्तरांचल विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2013 में की गई थी।

जीनियरों का सचिवालय कूच आज, हड़ताल की तैयारी

देहरादून। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ से जुड़े इंजीनियर शुक्रवार को परेड ग्राउंड से सचिवालय कूच करेंगे। सचिवालय घेराव के साथ ही हड़ताल का ऐलान किया जाएगा। महासंघ ने शासन पर पूर्व में हुए शासनादेशों को लागू न करने का आरोप लगाया। महासंघ का लोनिवि, सिचांई मुख्यालय पर धरना चौथे दिन भी जारी रहा। महासंघ अध्यक्ष एसएस चौहान और महामंत्री मुकेश रतूड़ी ने कहा कि जूनियर इंजीनियरों को दस साल की सेवा पर 5400 ग्रेड पे का लाभ दिया जाना है। शासनादेश भी हो चुका है। इसके बाद भी लाभ नहीं दिया जा रहा है। दूसरे विभागों की तरह तीनों ऊर्जा निगमों में तैनात जूनियर इंजीनियरों को ग्रेड वेतन 4600 का लाभ एक जनवरी 2009 से काल्पनिक और एक मार्च 2013 से वास्तविक रूप से दिया जाए। सहायक अभियंता के पद पर पदोन्नति कोटा 40 प्रतिशत से बढ़ा कर 50 प्रतिशत किया जाए। जल निगम डिप्लोमा इंजीनियर संघ अध्यक्ष रामकुमार ने कहा कि जल निगम और जल संस्थान के एकीकरण और राजकीयकरण की मांग को भी लगातार टाला जा रहा है। पूर्व में कई बार आम सहमति बनने के बाद भी आज तक कोई फैसला नहीं हो पाया है। कहा कि सभी तकनीकी विभागों में एक समान सेवा नियमावली को लागू किया जाए। प्रदेश से बाहर की कार्यदायी संस्थाओं पर भी रोक लगाई जाए। 2005 के बाद नियुक्त इंजीनियरों को भी पुरानी पेंशन बहाली का लाभ दिया जाए। इन तमाम मांगों के निस्तारण को लेकर सचिवालय घेराव होगा। वैज्ञानिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने, नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ाने के लिए आईआरडीई और ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के बीच करार किया गया है।

नपा जोशीमठ ने मनाया 41वां स्थापना दिवस

चमोली। नपा जोशीमठ ने अपना 41वां स्थापना दिवस पर्यावरण संरक्षण को समर्पित करते हुए धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर नपा ने स्थानीय स्कूली बच्चों के साथ मिलकर राइंका तिराहे से रापवे तिराहे तक पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता रैली निकाली व लोगों को अधिकाधिक पेड़ लगाने एवं सिंगल यूज पॉलीथिन का प्रयोग न करने की अपील की। रैली के माध्यम से नपा ने व्यापारियों को मुख्य बाजार को साफ रखने, चारधाम यात्रा में आने वाले तीर्थ यात्रियों के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार रखने और उनकी सहायता करने की अपील की। नपा अध्यक्ष शैलेन्द्र पंवार ने कहा कि बदरीनाथ एवं हेमकुंड आने वाले तीर्थयात्री अपर बाजार एवं लोअर बाजार से होकर गुजरते हैं इसलिए पालिका ने सभी व्यापारियों से यात्रियों की मदद करने एवं उनका मार्ग दर्शन करने की अपील की है। कहा कि आने वाला यात्री जोशीमठ की एक अच्छी छवी लेकर यहां से लौटे यह हम सबका प्रयास है। वहीं ईओ भारत भूषण पंवार ने बताया कि 1 जून 1942 को नोटिफाइड एरिया समाप्त कर शासन स्तर से जोशीमठ को नगर पालिका का दर्जा मिला था तब से वर्तमान तक सदैव ही पालिका ने नगरवासियों के हित और क्षेत्र के विकास में कई कार्य किए हैं।

अस्पताल में बुकिंग लेने के झांसे में गंवाए 82 हजार

देहरादून। अस्पताल में डाक्टर को दिखाने के लिए ऑनलाइन बुकिंग कराने के झांसे में एक महिला साइबर ठगी का शिकार हो गई। शहर कोतवाल विद्याभूषण नेगी ने बताया कि धोखाधड़ी को लेकर कल्पना मिश्रा निवासी चुक्खुवाला ने तहरीर दी। बताया कि 14 मई को गूगल पर आरोग्यधाम अस्पताल का नंबर सर्च किया। वहां एक मोबाइल नंबर मिला। बात हुई तो उसने बुकिंग के लिए एक लिंक भेजा। उसमें मरीज की जानकारी डालकर 10 रुपये का भुगतान करने को कहा गया। उन्होंने बुकिंग के झांसे में आकर ऐसा ही किया। आरोप है कि लिंक में खाते की जानकारी डालने के बाद अलग-अलग ट्रांजेक्शन में उनके बैंक खाते से कुल 82 हजार रुपये कट गए।

गोपेश्वर में निकाली जागरूकता रैली

चमोली। जन शिक्षण संस्था गोपेश्वर द्वारा जिला मुख्यालय में जी 20 जन भागीदारी को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। प्रोग्राम आफिसर प्रीति गुप्ता ने बताया कि 1 से 15 जून तक चमोली जिले में विभिन्न स्थानों में रैली निकालकर लोगों को एक पृथवी एक भविष्य एक समान थिम पर जागरूक किया जाएगा। जागरूकता रैली का शिक्षण संस्थान से प्रारंभ होकर मुख्यबाजार, पंजाब नैशनल बैंक, पोस्ट आफिस, पुलिस लाइन से होकर मुख्य बाजार में संपंन हुई। इस मौके पर रोशन कनियाल, हेमा फरस्वाण, कमला, रीना, प्रतिभा, आदि मौजूद थे।

पति पर तीन तलाक देने और अप्राकृतिक संबंध बनाने में केस कराया

देहरादून। महिला ने पति पर तीन तलाक देकर घर से निकालने और अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के आरोप में केस दर्ज कराया है। महिला की तहरीर पर रायपुर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।थानाध्यक्ष कुंदन राम ने बताया कि बालावाला चौकी क्षेत्र निवासी महिला ने तहरीर दी। कहा कि उसका पति आए दिन छोटी-छोटी बातों को लेकर उसके साथ मारपीट और गाली गलौच करता है। 23 मई को वह बच्चों को स्कूल छोड़कर घर आई। आरोप है कि इस दौरान यौन संबंध बनाने का दबाव बनाया। तबीयत खराब होने पर महिला ने मना किया।

एक नजर

नौ साल की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ताः उनियाल

नई टिहरी। नरेंद्रनगर स्थित टाउन हॉल के सभागार में नरेन्द्रनगर भाजपा विधानसभा की कार्य समिति की बैठक संपन्न हुई। वक्ताओं ने कहा कि कार्यकर्ताओ महाजनसंपर्क में केंद्र सरकार के नौ साल के सफल कार्यकाल को जनजन तक पहुंचाये। बुधवार को नरेन्द्रनगर टाउन हॉल में आयोजित कार्य समिति बैठक का वन मंत्री सुबोध उनियाल, विधायक खजान दास, जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम संयोजन वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्रनगर मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जनऔर देश हित में कई ऐतिहासिक कार्य किये हैं, जिनका आम जनता को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की उपलब्धियों को जनजन तक पहुंचाने को कहा। कहा आने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों हेतु कार्यकर्ता घर घर जाकर जनसंपर्क अभियान चलाये और वोटर से संपर्क स्थापित करें सरकार की उपलब्धियों के साथ पार्टी की नीति और रीति के बारे अवगत कराये। राजपुर विधायक खजान दास ने कहा कि केंद्र सरकार के साथ ही राज्य सरकार भी जनहित के कार्यों को प्राथामिकता पूरा करने में लगी है।

राजपुर रोड विधानसभा में टिहरी सांसद का महा जनसंपर्क अभियान

देहरादून। भाजपा के महा जनसंपर्क अभियान की विधिवत शुरुआत हो गई है। गुरुवार को राजपुर रोड विधानसभा के तहत अंबेडकर नगर मंडल के वार्ड संख्या 21 एमकेपी में शहर के जाने माने उद्योगपति, समाजसेवी लोकेश जैन, राकेश ओबराय के निवास पर टिहरी लोकसभा सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह का प्रवास रहा।सांसद ने प्रवास के दौरान केंद्र सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियों पर चर्चा की व सभी से अनुरोध किया कि पूर्व की भांति इस बार भी भाजपा को समर्थन देकर पीएम नरेन्द्र मोदी को मजबूत करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर घर जाकर हरेक मतदाता से संपर्क का आह्वान किया।

बच्ची को उसके माता पिता से मिलाया

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में यात्रा पर आयी एक छोटी बच्ची जो कि अपने माता पिता से बिछड़ गयी थी। इस बच्ची पर केदारनाथ धाम में ड्यूटी पर नियुक्त पी0आर0डी0 जवान नरेन्द्र राज की नजर पड़ी, जिनके द्वारा बच्ची से बात की जो कि रुआंसी हालत में थी और अपने माता पिता को ढूंढने का प्रयास कर रही थी।

इनके द्वारा बालिका को अपने साथ खोया पाया केन्द्र पर लाया गया व बच्ची के हुलिये व नाम का अनाउंसमेंट करवाकर बच्ची के माता पिता को ढूंढ निकाला। अपनी बेटी को पाकर मां भावुक हो गयी थी, बच्ची भी अपनी मां पर लिपट गयी।

दम्पत्ति ने पी0आर0डी0 जवान का आभार प्रकट किया गया। जनपद पुलिस के साथ सहायक बल होमगार्ड व पी0आर0डी0 जवान कंधे से कंधा मिलाकर कर्तव्य निर्वहन के साथ ही मानवीय कार्य कर रहे हैं।

आपातकाल में 112 डायल करें-एसएसपी

नई टिहरी। विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस, फायर सेवा व महिला हेल्प लाइन सेवा की सुविधा अब केवल 112 नम्बर डायल कर ली जा सकती है।

यह जानकारी देते हुए एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि जनसामान्य को विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से गृह मंत्रालय भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना इमरजेंसी रिस्पॉन्स सपोर्ट सिस्टम को डायल 112 के अन्तर्गत विभिन्न आपातकालीन नम्बर पुलिस सेवा (100), फायर सेवा (101) व महिला हेल्प लाइन सेवा (1090) को डायल 112 सेवा में एकीकृत किया गया है।

प्राचार्य प्रो उभान ने प्रोत्साहन राशि वितरित की

नई टिहरी। प्रदेश सरकार के बाल एवं महिला विकास विभाग की संचालित बालिका शिक्षा एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत डिग्री व डिप्लोमा स्तर पर बालिकाओं को प्रोत्साहन राशि दिये जाने के तहत नरेंद्रनगर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो राजेश उभान ने 25-25 सौ रूपये की धनराशि महाविद्यालय की तीन छात्राओं को प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रदान की। प्रोत्साहन राशि वितरण के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो उभान ने कहा कि सरकार के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान ने बालिकाओं को सच में उड़ान के पंख दिये हैं। होनहार छात्राओं को प्रोत्साहन राशि मिलना प्रेरणा दायक है। इससे बालिका को विकास व मनोबल में निरंतर वृद्धि होगी। प्राचार्य ने महाविद्यालय की छात्राओं करिश्मा बीए टीएम तृतीय वर्ष, आस्था बीकाम तृतीय वर्ष, शिवानी बीए टीम तृतीय वर्ष प्रोत्साहन राशि प्रदान कर राशि का सदुपयोग करने की हिदायत दी। इस अवसर पर डॉ विजय प्रकाश भट्ट, आर एस बिष्ट सहित अन्य मौजूद रहे।

देव प्रयाग की समस्याओं को लेकर सीएम को भेजा ज्ञापन

नई टिहरी। देवप्रयाग ब्लॉक की विभिन्न समस्याओं को लेकर ग्राम प्रधान संगठन व पूर्व प्रमुखों ने मुख्यमन्त्री को 11 सूत्रीय ज्ञापन प्रेषित किया है। जनप्रतिनिधियों ने समस्याओं का समाधान न होने पर जून के अंत में आंदोलन की चेतावनी दी है। सीएम को भेजे गए ज्ञापन में संगठन अध्यक्ष सोबन सिंह चौहान ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हिण्डोलाखाल ,हिंसरियाखाल, पौड़ीखाल (स्यूटा) में प्रसूति गृह खोलने व महिला चिकित्सक की नियुक्ति व एक्सरे अल्ट्रासाउण्ड मशीन की सुविधा देने व हिण्डोलाखाल अस्पताल में जनरेटर लगाने की मांग की। जनप्रतिनिधियों ने ब्लॉक मुख्यालय में केन्द्रीय विद्यालय स्थापित किये जाने के सभी मानक पूरे होने पर इसकी तत्काल स्वीकृति दिये जाने, सभी ग्राम पंचायतों में मातृ व शिशु कल्याण उपकेन्द्र खोल जाने, राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज हिण्डोलाखाल में रोजगारपरक ट्रेड कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक, कम्यूनिकेशन व सिविल के ट्रेड खोलने व अध्यापकों की नियुक्ति करने, दिसंबर 2021 में शिलान्यास के बाद जामणी बारगुर भैंसकोट मार्ग के निर्माण हेतु वित्तीय स्वीकृति दिये जाने, उखरियाली तप्पड़ व सिमसारी श्रीकोट में बने स्टेडियमों को जल्दी शुरू कर युवाओं को अवसर देने, विद्युत व्यवस्था में सुधार करने, जंगली जानवरों से खेती को हो रहे नुकसान को रोकने के लिए कार्ययोजना बनाए जाने की मांग की।

सफाई कार्यों में ठेकेदारी प्रथा समाप्त करे सरकार

देहरादून। राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा की बैठक में सफाई कर्मचारियों की समस्याएं उठाई गई।

इसमें सफाई कार्यों में ठेकेदारी प्रथा समाप्त करने की मांग पुरजोर ढंग से उठाई गई।

ऋषिनगर में हुई बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ठेकेदारी प्रथा जल्द समाप्त होनी चाहिए। इसके साथ ही प्रदेश के सभी विभागों में कार्यरत संविदा आउटसोर्स और मोहल्ला समितियों में काम कर रहे सफाई कर्मियों को भी नियमित किया। नगर निकायों में दस हजार कर्मचारियों की भर्ती की जाए।

बांदल में मलबा जमा होने से दस घंटे शहर की पेयजल आपूर्ति पर पड़ा असर

देहरादून। बुधवार को रायपुर मालदेवता इलाके में अतिवृष्टि के कारण से उफनाई बांदल नदी की वजह से जल संस्थान के बांदल स्रोत पर दस घंटे से अधिक समय तक आपूर्ति बाधित रही। जिसका असर शहर के अनेक इलाकों में गुरुवार को भी पड़ा। हालांकि दोपहर बाद जल संस्थान ने स्रोत पर मजदूर लगाकर डायवर्ट हो चुके स्रोत के पानी को पेयजल लाइनों तक लाने में सफलता प्राप्त की।

बांदल स्रोत से जल संस्थान को 18 एमएलडी से अधिक पानी मिलता है। जिससे दस इंच की एक लाइन लाडपुर, 14 इंच की एक लाइन केसरवाला व 18 इंच की एक लाइन दिलाराम वाटर वर्क्स आती है। दिलाराम वाटर वर्क्स में बांदल स्रोत के पानी को एकत्र करने के लिए 68 लाख लीटर का टैंक बनाया गया है।

जब बांदल स्रोत पर आपूर्ति प्रभावित हुई तो दिलाराम वाटर वर्क्स में भी पानी की कमी होने लगी। बांदल स्रोत कई घंटों तक पूरी तरह बंद रहा। बाद में इसमें सिर्फ चार एमएलडी पानी ही मिलने लगा। उसमें भी सिल्ट आने से पानी का उपयोग नहीं हो पा रहा था। दिलाराम स्थित पानी का टैंक नहीं भर पाया और करीब 38 एमएलडी तक की कमी पिछले दस घंटों में रही। जिससे दिलाराम पर निर्भर इलाकों में सुबह शाम की पेयजल आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित रही। एई एके गुप्ता ने बताया कि बांदल स्रोत पर पूरी रात मजदूर लगाकर स्रोत को वापस रिस्टोर किया गया। गुरुवार सुबह दस बजे तक स्रोत को रिस्टोर करने का काम होता रहा। दोपहर में स्रोत से सप्लाई सामान्य हुई।

बांदल से सीधी लाइन पर सप्लाई से जुड़े लाडपुर, रायपुर, किद्दूवाला, केसरवाला आदि इलाकों में उपभोक्ताओं के यहां पेयजल आपूर्ति पूरी तरह प्रभावित रही। नेशविला रोड, हाथीबड़कला, डोभालवाला, कालीदास रोड, डिस्पेंसरी रोड, पलटन बाजार, राजपुर रोड, डीएल रोड, विजय कॉलोनी, करनपुर में भी सुबह शाम पानी की आपूर्ति प्रभावित रही।

दाखिलों को लेकर छात्र परेशान, गढ़वाल विवि के कालेजों पर असमंजस

देहरादून। इंटर पास करने के बाद ग्रेजुएशन में दाखिलों के लिए अब राजधानी के हजारों छात्र परेशान हैं। डीएवी सहित गढ़वाल विवि के चार प्रमुख कालेजों में प्रवेश पर अभी असमंजस बना हुआ है। जबकि श्रीदेव सुमन विवि में दाखिले की मैरिट के लिए अभी रजिस्ट्रेशन शुरू नहीं हो पाए हैं। ऐसे में छात्र अभी परेशान हैं कि कहां दाखिलों के लिए आवेदन करें।गढ़वाल विवि से संबद्ध डीएवी,डीबीएस,एमकेपी और एसजीआरआर में पिछले साल इंटर की मैरिट के आधार पर दाखिले हुए थे। लेकिन इस बार जहां दाखिलों के लिए कंबाइंड यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग्जाम हो रही हैं।

डीएल बनाने वाले आवेदकों को रही परेशानी

देहरादून। आरटीओ में ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए आने वाले आवेदकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। पिछले एक सप्ताह से डीएल की फीस जमा करवाने में परेशानी हो रही है। एसबीआई के गेटवे से फीस जमा नहीं हो पा रही है। कई आवेदकों को बैरंग वापस लौटना पड़ रहा है।

ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए ऑनलाइन आवेदन के साथ ही फीस भी जमा करनी पड़ती है। ज्यादातर आवेदक आरटीओ के बाहर खुले साइबर कैफों में जाकर फीस जमा करवाते हैं। कैफे संचालक एसबीआई के गेटवे से फीस जमा करते हैं, लेकिन पिछले एक सप्ताह से एसबीआई के गेटवे से फीस जमा नहीं हो पा रही है। जिस कारण आवेदकों को परेशानी हो रही है, उनके डीएल नहीं बन पा रहे हैं। एआरटीओ प्रशासन नवीन सिंह ने बताया कि दिक्कत सिर्फ एसबीआई के गेटवे में आ रही है। बाकी बैंकों के गेटवे से फीस जमा हो रही है। एसएससी से भी आवेदक फीस जमा करवा सकते हैं। एसबीआई ने ऑनलाइन सर्वर को अपडेट किया है, जिससे यह दिक्कत आई है। इसके लिए पत्रचार चल रहा है, जल्द ही समस्या का समाधान हो जाएगा।

सीएम को भेजेंगे ज्ञापन

देहरादून। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी कार्यकर्ता पांच जून को डीएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर सीएम को ज्ञापन भेजेंगे।

सीपीआई (एम) के जिला सचिव राजेंद्र पुरोहित ने बताया कि राज्य में सरकार और प्रशासन की ओर से अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाकर उनमें असुरक्षा की भावना पैदा की जा रही है। इसके साथ ही अतिक्रमण की आड़ में गरीबों के घर उजाड़े जा रहे हैं। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

तीन अपराधियों पर प्रेमनगर पुलिस ने गुंडा एक्ट लगाई

देहरादून। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के तीन आदतन अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने गुंडा ऐक्ट के तहत कार्रवाई की है। कार्रवाई कर रिपोर्ट डीएम को भेजी गई है। जल्द तीनों को जिला बदर किया जाएगा।डीआईजी देहरादून दलीप सिंह कुंवर ने आदतन अपराधियों के खिलाफ गुंडा और गैंगस्टर की कार्रवाई का आदेश दिया है।

एसओ प्रेमनगर पीडी भट्ट ने बताया कि थाना क्षेत्र के आदतन अपराधी वेद प्रकाश गुप्ता निवासी स्मिथनगर प्रेमनगर, इंद्रजीत सिंह निवासी प्रेमनगर और पारस भाटिया निवासी विंग दो प्रेमनगर का हिस्ट्री चार्ज तैयार किया गया। जिस पर तीनों के खिलाफ गुंडा ऐक्ट का अभियोग दर्ज करते हुए कार्रवाई की गई।

महिला पहलवानों के उत्पीड़न के आरोपी की जल्द हो गिरफ्तारी

देहरादून। संयुक्त ट्रेड यूनियन सीटू, एटक, इंटक एवं किसान सभा ने महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जुलूस निकाला। उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।गुरुवार को कार्यकर्त इंदिरा मार्केट स्थित कार्यालय से जुलूस के रूप में राजपुर रोड पहुंचे। यहां केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा है कि हम पहलवानों के फैसलों का पूर्ण समर्थन करते हैं और महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखेंगे। कहा कि महिला खिलाड़ियों के साथ जिस प्रकार का अमानवीय व्यवहार किया गया उससे देश शर्मसार हुआ है। आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सभी जिला और तहसील केंद्रों पर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और पुतला दहन किया गया है। इस मौके पर सीटू के जिला महामंत्री लेखराज, एटक के प्रांतीय महामंत्री अशोक शर्मा, किसान सभा के महामंत्री कमरुद्दीन, इंटक के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार, अनंत आकाश, एसएस रजवार, भगवंत पयाल, राजेन्द्र पुरोहित, चित्रा, माला गुरुंग, रविन्द्र नौडियाल, राम सिंह भंडारी, अनुज गोयल, राजकुमार, रमेश नौटियाल, केपी सिंह, लक्ष्मी नारायण, विशेष शर्मा, कुसुमलता शाह, हरिओम आदि मौजूद रहे।

आवास निर्माण कार्य की किश्त जारी करने की मांग

कोटद्वार : पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चिन्हित परिवारों को समय पर आवास निर्माण कार्य की किश्त जारी न होने पर हैरानी व्यक्त की है।

यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत वर्ष 2017 से 2023 तक के पांच वर्षों में चिन्हित परिवारों को समय पर योजना की किस्त नहीं मिल पाई है, इस कारण उनके आवासों का निर्माण नहीं हो पाया है और वे खुले आसमान के नीचे गुजर बसर करने के लिए मजबूर हैं। कहा कि इस संबध में वे भी शासन-प्रशासन को अवगत करा चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। सरकार को चिन्हित परिवारों के आवास निर्माण के लिए योजना की किस्त जारी करनी चाहिए ताकि उनके अपूर्ण आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण हो सके।

वंचित समाज के लोगों के हित में कार्य कर रही कांग्रेस पार्टी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश दौरे पर निकले कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दर्शनलाल गुरुवार को कोटद्वार के झंडीचौड़ स्थित हाट बाजार पहुंचे। इस अवसर पर आयोजित सभा में कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वंचित समाज के हित में कार्य कर रही है।

भाबर में आयोजित बैठक को संबोधित करते कांग्रेस पदाधिकारी

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से ही वंचित समाज और महिलाओं के हितों की लड़ाई लड़ती आई है और वर्तमान में भी लड़ रही है।

समाज के लोगों को पार्टी से जुड़कर मजबूती प्रदान करनी चाहिए, ताकि हम संगठित होकर वंचित समाज के अधिकारों की लड़ाई लड़ सकें। पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि कांग्रेस शासन में विकास कार्य होते थे, लेकिन वर्तमान शासन में सभी कार्य अवरूद्ध हो गये हैं, इसलिए हम सबको एक होना होगा। पूर्व विधायक शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि पार्टी संगठन को मजबूत करना इसलिए आवश्यक है क्योंकि कांग्रेस संविधान की असली रक्षक और डा. भीमराव अंबेडकर की आवाज है। कार्यक्रम में कांग्रेस अनुसूचित जाति जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश कोटला, जिलाध्यक्ष विनोद डबराल, जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस रश्मि पटवाल, पार्षद सुखपाल शाह, अमित नेगी, कांग्रेस महानगर अध्यक्ष संजय मित्तल, मनदीप पटवाल और शूरवीर खेतवाल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिविर में स्वास्थ्य का किया परीक्षण, बांटी दवाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लायंस क्लब डायनेमिक की ओर से कुंभीचौड़ स्थित मां शक्ति नशामुक्ति केंद्र में ओरल हेल्थ स्क्रीनिंग एवं साइकोलॉजिकल स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में लीला डेंटल क्लीनिक के डा. अनिल मोहन ने नशा मुक्ति केंद्र में रह रहे 55 लोगों की जांच की और उनको दवाइयों का वितरण किया। साथ ही स्टूडेंट क्लिनिकल साइकोलोजी के साइकोलोजिस्ट परविंदर गुसांई ने सभी लोगों को नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। मौके पर मां शक्ति नशामुक्ति केंद्र के संचालक राजीव नेगी एवम रजत नेगी ने इस तरह का कैंप लगाने पर लायंस क्लब डायनेमिक के अध्यक्ष विवेक अग्रवाल का आभार व्यक्त किया।

स्काउट-गाइड ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

ब्लूमिंग वेल पब्लिक स्कूल में स्काउट-गाडइ शिविर में भाग लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गाड़ीघाट स्थित ब्लूमिंग वेल पब्लिक स्कूल में छः दिवसीय स्काउट एवं गाइड शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान स्काउट-गाइड ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

कक्षा छः से दस तक के विद्यार्थियों के लिए शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान छात्रों ने मानव पिरागिड, गांठे बानाना सहित अन्य गुर सीखे। विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। चिकित्सा व ट्रैकिंग आदि कौशलों के बारे में भी विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी गई। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता रैली भी निकाली। कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को एकजुट होकर कार्य करना होगा। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक डा. सुभाष चतुर्वेदी सहित अन्य शिक्षक व स्टाफ मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को सेना में भर्ती होने के सिखाए गुर

महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारत सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल में करियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को सेना में भर्ती होने के गुर सिखाए गए।

रिखणीखाल महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य मनोज उप्रेती ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके उपरांत लैंसडौन से पहुंचे सूबेदार मेजर अशोक कुमार ने बच्चों को सेना में भर्ती होने के गुर सिखाए। कहा कि लक्ष्य तय कर मेहनत करने वाले विद्यार्थी को एक दिन अवश्य सफलता मिलती है। करियर काउंसलिंग सेल प्रभारी डा. प्रशांत ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि कोई भी मुकाम पाने के लिए मेहनत जरूरी होती है।

अधिकारी निर्धारित लक्ष्य को जल्द पूरा करें: डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने जल संस्थान व जल निगम के अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। डीएम ने पेयजल निगम, जल संस्थान व संबंधित अधिकारियों को जून में 10-10 फीसदी पेयजल कनेक्शन लगाने का लक्ष्य दिया है। कहा कि जिन स्कूलों में पेयजल कनेक्शन लगने हैं, वहां भी समय पर कनेक्शन लगाए जाएं।

गुरूवार को जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक ली। जिलाधिकारी ने पेयजल निगम, जल संस्थान व संबंधित अधिकारियों को जून माह में 10-10 प्रतिशत पेयजल कनेक्शन लगाने का लक्ष्य दिया है। उन्होंने निर्देशित किया कि जो लक्ष्य संबंधित अधिकारियों को दिये हैं वह दिये गये लक्ष्यों को इसी माह में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। कहा कि जिन विद्यालयों में पेयजल कनेक्शन लगने हैं वहां भी समय पर कनेक्शन लगाना सुनिश्चित करें। इस वर्ष दिये गये लक्ष्यों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 5 करोड़ से अधिक वाले कार्य कुल 22 हैं, जिनमें से 21 कार्य प्रगति पर हैं। वहीं 2 से 5 करोड़ वाली योजनाओं में कुल 36 कार्य हैं, जिनमें से 33 कार्य प्रगति पर हैं। अन्य शेष कार्यों पर टेंडर प्रक्रिया की कार्यवाही की जा रही है। इसके अलावा जिलाधिकारी ने 2023-24 में एफएसटीसी कार्यों का 25605 कनेक्शनों का लक्ष्य दिया गया था, जिसमें 548 कनेक्शन लग चुके हैं व अन्य पेयजल कनेक्शनों का कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शेष कार्यों का कार्य गुणवत्ता के साथ तय समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डे, अधिशासी अभियंता जल संस्थान पौड़ी एसके रॉय, जल निगम पौड़ी बीरेंद्र भट्ट, श्रीनगर दिशा, पीएम स्वजल दीपक रावत सहित अन्य अधिकरी उपस्थित थे।

डीएम डॉ. आशीष चौहान कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक लेते हुए।

कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर पार्टी हित में कार्य करने का मंत्र दिया

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ ने कार्यकर्ताओं से निकाय व लोकसभा चुनाव तैयारी में जुटने का आह्वान किया। प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन लाल शाह ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी हित में कार्य करने का मंत्र दिया। कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार ने महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के सिवा कुछ नहीं दिया है। उन्होंने सरकार को हर मोर्चे पर असफल बताया। सरकार ने जनहित के किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं किया है।

जिला कांग्रेस कार्यालय में उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन लाल शाह ने कार्यकर्ताओं की बैठक ली। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाए जाने के लिए कार्यकर्ताओं को कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने को कहा। कहा कि पौड़ी की बेटी अंकिता को न्याय दिलाने में प्रदेश सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। महंगाई यहां चरम पर है और बेरोजगारी में उत्तराखंड ने देश के अन्य राज्य को पछाड़ दिया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक चुनाव ने भारत की राजनीति को नई दिशा देने का कार्य किया है। कांग्रेस आने वाले चुनाव में भी जीत दर्ज करेगी। कहा कार्यकर्ताओं को एकजुटता के साथ आगामी निकाय चुनाव व लोकसभा चुनाव में जीत के लिए कार्य करना होगा।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनीष खंडूड़ी ने कार्यकर्ताओं से पार्टी को बूथ स्तर मजबूत बनाने की दिशा में सकारात्मक दृष्टिकोण से कार्य किए जाने को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कांग्रेस विनोद नेगी, जिलाध्यक्ष अनुजाति प्रकोष्ठ श्रीकांत, प्रदेश सचिव कुंदन आर्य, नीलम रावत, जिलाध्यक्ष मोहित सिंह, संजना गुजराल, कैलाश कुमार, भरत रावत आदि मौजूद रहे।

अधिकारी मानसून सत्र के दौरान अलर्ट मोड पर रहे

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी मानसून से पूर्व तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। उन्होंने सभी तहसीलों में मानसून से पूर्व आपदा कंट्रोल रूम को सक्रिय करने, वहां पर कार्मिकों की तैनाती तथा आपदा की रिकवरी के लिए सभी प्रकार के लगने वाले संसाधनों को चैक करते हुए यदि किसी भी दशा में अतिरिक्त जरूरत हो तो समय रहते उसको पूर्ण करने को कहा। जिलाधिकारी ने सभी तहसीलों के साथ-साथ विकासखंड़ों को पूर्व में ही हर तरह की तैयारी पूर्ण रखने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि मानसून सत्र के दौरान सभी अधिकारी अलर्ट मोड पर रहे। उन्होंने निर्देशित किया कि मानसून सीजन में कोई भी अधिकारी बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेगा।

जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को जनपद में विभिन्न आपदा की दृष्टि से जोखिम क्षेत्र, मानसून की अवधि में भूस्खलन, जलभराव, बादल फटना इत्यादि की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों का पूर्व के आपदा के इतिहास की जानकारी, ऐसे क्षेत्रों को उसी अनुरूप चिन्हित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे विभिन्न क्षेत्रों में आपदा की स्थिति में सुरक्षित स्थलों और शैड़ो का पूर्व चिन्हिकरण करने, आपदा के जोखिम को कम करने के लिए जरूरी पूर्व कदम उठाने तथा आपदा के दौरान तत्काल रिकवरी के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा। उन्होंने कहा कि ऐसे नदी-नाले वाले क्षेत्र जहां पर अतिवृष्टि की दशा में खतरा बना रहता है उनकी भी मैपिंग की जाय।

डीएम डॉ. आशीष चौहान बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

उन्होंने आपदा के संवेदनशील क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य जांच तथा इस अवधि के दौरान डिलीवरी होने वाली महिलाओं की नियमित निगरानी रखते हुए उनको आपदा स्थिति में त्वरित सहायता के लिए पूर्व में ही स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से व्यवस्था बनाने के निर्देश दिये। ऐसे क्षेत्रों में ग्राम प्रधानों को यथासंभव सैटेलाइट फोन इत्यादि उपलब्ध करवाने की कोशिश करें, ताकि कनेक्टिविटी बाधित होने की स्थिति में सहायक सिद्व हो सके। जिलाधिकारी ने सभी नगर निकायों (नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत) के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में जलभराव वाले क्षेत्रों में पानी की निकासी को तत्काल दुरूस्थ करने तथा सभी नालों और नालियों की एक बार बरसात से पूर्व सफाई करने के निर्देश दिये, ताकि जलभराव की समस्या ना हो सके। जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति विभाग को संपूर्ण जनपद में मानसून के सीजन में पर्याप्त खाद्य और गैस की आपूर्ति बनाये रखने तथा आपदा स्थिति में कैम्प में लोगों को भोजन उपलब्धता हेतु रेट लिस्ट तथा टैंडर प्रक्रिया जो भी पूर्ण करने हो समय से पूर्व करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डे, अपर जिलाधिकारी ईला गिरी, अधीक्षण अभियंता लोनिवि पीएस बृजवाल, जिला विकास अधिकारी पुष्पेंद्र चौहान, मुख्य कोषाधिकारी गिरीश चंद्र, आरटीओ अनिता चंद, मुख्य कृषि अधिकारी अमरेंद्र चौधरी, उपजिलाधिकारी मुक्ता मिश्रा, मुख्यशिक्षाधिकारी डॉ. आनंद भारद्वाज सहित अन्य अधिकारी वीसी के माध्यम से उपस्थित रहे।

3 जून से शुरू होगा फुटबाल टूर्नामेंट

पौड़ी : पर्यटन नगरी पौड़ी में आगामी 5 जून से आयोजित होने वाले ग्रीष्मोत्सव के तहत पालिका द्वारा तैयारियां जोरों पर चल रही है। 3 जून से कंडोलिया मैदान में फुटबाल टूर्नामेंट शुरू हो जाएगा।

पालिकाध्यक्ष यशपाल बेनाम ने बताया कि ग्रीष्मोत्सव का उद्घाटन एवं विभिन्न विद्यालयों व सरकारी विभागों द्वारा मार्चपास्ट की सलामी स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी लेंगे। कहा कि 5 जून शाम 6 बजे कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ होगा। जबकि राष्ट्रीय स्तर का फुटबाल टूर्नामेंट 3 जून से शुरू होगा। कहा कि हर दिन दो मैच आयोजित होंगे। पहला मैच दिल्ली पुलिस और प्रेमा फुटबॉल क्लब देहरादून जबकि दूसरा मैच खालसा वॉरियर्स और इनकम टैक्स दिल्ली के बीच खेला जाएगा।

फिल्टर ऑपरेटरों को दो माह से नहीं मिला वेतन

श्रीनगर गढ़वाल : कोटेश्वर-सिलकाखाल पेयजल पंपिंग योजना में कार्यरत कर्मचारियों ने जल संस्थान देवप्रयाग के ठेकेदार पर अभद्र व्यवहार और धमकाने का आरोप लगाया है। इस संदर्भ में योजना में लगे पंप और फिल्टर ऑपरेटरों ने जल संस्थान के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन प्रेषित कर समस्याओं के निराकरण किए जाने की मांग की है। पंप और फिल्टर ओपरेटरों ने कहा कि दो माह से वेतन न मिलने से उन्हें आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वेतन की मांग करने पर ठेकेदार द्वारा अभद्र व्यवहार करने और धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। कहा कि यदि जल्द से कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया गया तो वह भूख हड़ताल पर बैठने व पंपिंग योजना को बाधित करने को विवश होगें। (एजेंसी)

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पास

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : बीरोंखाल ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जगदीश बिष्ट के कथित तौर पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहने और अनुशासनहीनता करने पर उनके खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अविश्वास प्रस्ताव पास कर प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, अनुशासन समिति अध्यक्ष नव प्रभात को ज्ञापन भेजा है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष विनोद नेगी ने बताया कि बीरोंखाल ब्लाक अध्यक्ष पार्टी विरोधी हैं, मामला संज्ञान में आ गया हैं। शीघ्र ही बीरोंखाल में पार्टी कार्यकर्ताओं की सहमति से नया अध्यक्ष चुना जाएगा।

विकासखंड बीरोंखाल सभागार में महिपाल शाह की अध्यक्षता वाली बैठक में कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में ब्लाक अध्यक्ष जगदीश बिष्ट को हटाने की मांग की। कांग्रेस वरिष्ठ नेता डा. जयदेव सिंह नेगी ने कहा कि ब्लाक अध्यक्ष पिछले विधानसभा चुनावों में पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं इससे ब्लाक का संगठन मजबूत नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि यदि उन्हें नहीं हटाया गया तो लोकसभा चुनावों में पार्टी को दिककत हो सकती हैं। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश नेतृत्व को भेजे ज्ञापन में कहा कि कार्यकर्ताओं की सहमति से शीघ्र बीरोंखाल का नया ब्लाक अध्यक्ष बनाया जाया। जिससे कांग्रेस पार्टी बीरोंखाल में एकजुट हो सके। इस अवसर पर न्याय पंचायत अध्यक्ष डुमैला सरत सिहं, उमेश्वर सिहं रावत, महिपाल सजवाण, राजेश रावत, रोहित सिंह, विवेक सजवाण, देवेन्द्र सिंह नेगी, नागेन्द्र शर्मा, मंगल सिंह, सुरेन्द्र सिंह, महाबीर सिंह, शिवदर्शन सिंह, विशम्बर सिंह रावत, मान सिंह, नंद किशोर, बाल सिंह आदि थे।

शिवाजी सदन ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन में कक्षा 6 से कक्षा 9 तक के विद्यार्थियों के लिए चार दिवसीय अंतर सदनीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के बालक व बालिका वर्ग में शिवाजी सदन ने बाजी मारी।प्रतियोगिता का आरंभ प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुन्द्रियाल ने किया। प्रतियोगिता के बालक वर्ग में शिवाजी सदन विजेता और टैगोर सदन उपविजेता रहा। सुभाष सदन को तीसरा और नेहरू सदन को चौथा स्थान मिला। बालिका वर्ग में भी शिवाजी सदन विजेता और टैगोर सदन उप विजेता रहा। सुभाष सदन को तीसरा और नेहरू सदन को चौथा स्थान मिला। प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुन्द्रियाल ने विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान की। प्रतियोगिता को संपन्न कराने में शारीरिक शिक्षा शिक्षक विजयपाल सिंह रावत, मनीषा गुसांई व अन्य शिक्षकों ने भी सहयोग किया।

पुलिया निर्माण नहीं होने पर रोष, आंदोलन की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम के अंतर्गत वार्ड नं. 1 कुंभीचौड़ निवासियों ने शासन प्रशासन से बहेड़ास्रोत पर पुल निर्माण कराने की मांग की है। कहा कि बरसात के समय पुल न होने से उनके सामने आवागमन की समस्या खड़ी हो जाती है।

इस संबध में स्थानीय निवासियों की ओर से आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यहां के ग्राम वासियों को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए वर्ष 2012-13 में पुल निर्माण किया गया था जो वर्ष 2016-17 में आपदा के कारण टूट गया था। इसकी सूचना शासन-प्रशासन व पूर्व विधायक डा. हरक सिंह रावत को भी दे दी गई थी, लेकिन लंबा समय बीतने के बाद भी अभी तक पुल निर्माण नहीं हो पाया।

वर्तमान विधायक भी बजट की कमी बताकर अपना पल्ला झाड़ रही हैं। कहा कि जिस नाले के ऊपर पुल बना था, वह बरसात में भयानक रूप ले लेता है और ग्रामीणों को मुख्य बाजार आने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। नाले में तेज पानी के कारण दुर्घटना की संभावना भी बनी रहती है। ग्रामीणों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार का सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास वाला नारा उनके लिए झूठा साबित हुआ है। चेतावनी दी कि शीघ्र ही पुल का निर्माण नहीं किया गया तो वे आंदोलन पर मजबूर होंगे।

बैठक में वामदेव शाह, दलवीर सिंह, सावित्री देवी, रंजन प्रसाद, रेखा देवी, मनोज कुमार, सुमन देवी, परवीन खातून, शिवानी, सागर और खलील अहमद सहित समस्त ग्रामीण मौजूद रहे।

चार जून को होगा सामूहिक विवाह का आयोजनः ठुकराल

रुद्रपुर। सद् गुरु कबीर के 625 वें प्रकट दिवस के अवसर पर कबीर पंथी समाज सामूहिक विवाह का कार्यक्रम करने जा रहे हैं। इसकी तैयारियों को लेकर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने एक पत्रकार वार्ता की।

उन्होंने कहा कि पहली बार कबीर पंथी समाज इतना बड़ा कार्यक्रम करने जा रहा है। उन्होंने कहा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य रहेंगे। वहीं बेटियों को आशीर्वाद देने भारतीय कोली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर खेमचंद कोली पदाधिकारियों के साथ पहुंचेंगे। गुरुवार को रम्पुरा स्थित एक धर्मशाला में पत्रकार वार्ता के दौरान पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने बताया कि चार जून को कबीर पंथी समाज चार बेटियों का सामूहिक विवाह कराने जा रहा है। इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई हैं। चार जून सुबह 11 बजे चारों बेटियों की बारात रम्पुरा स्थित शिव मंदिर पहुंचेगी। इसके बाद बारात रम्पुरा के सभी मंदिरों से होते हुए दुर्गा मंदिर में पहुंचेगी। वैवाहिक कार्यक्रम के अनुसार, जयमाला और फेरों का कार्यक्रम किया जाएगा। इसके बाद बेटियों को विदा किया जाएगा। इस दौरान संजीव गुप्ता, नत्थू लाल कोली, शैलेंद्र कोली, संजय ठुकराल, कोमिलराम कोली, हरिराम कोली अजय सिंह डॉ. त्रिलोक कोली, पृथ्वी समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

महेश गड़िया बने अभिभावक शिक्षक संघ अध्यक्ष

बागेश्वर। कंट्रीवाइड पब्लिक स्कूल में अभिभावक अध्यापक समिति का गठन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से महेश गड़िया को अध्यक्ष चुना गया। बैठक में उपाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष एवं सदस्यों का चुनाव किया गया।

सचिव पद पर विद्यालय प्रधानाचार्या मोहिनी पांडे जी एवं कोषाध्यक्ष पद पर नीमा गड़िया चुनाव किया गया। बैठक को कंट्रीवाइड वेलफेयर एवं चैरिटेबल सोसायटी के सचिव नंदा वल्लभ भट्ट ने संबोधित किया। बैठक में विद्यालय के छात्र–छात्राओं के सवींगीण विकास पर चर्चा की गई और बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए आगामी रणनीति तैयार की गई।

पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर जागेश्वर में हटाया अस्थाई अतिक्रमण

अल्मोड़ा। जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामचन्द्र राजगुरु द्वारा जनपद में स्थाई, अस्थाई अतिक्रमण को हटाने हेतु समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को अभियान चलाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गये है।प्राप्त निर्देशों के क्रम में बुधवार 31 मई को थाना दन्या पुलिस द्वारा राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ जागेश्वर में अतिक्रमण के विरुद्ध संयुक्त अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान जागेश्वर में सड़क किनारे किए गए अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान स्थानीय व्यापारियों को सड़क मार्ग को अतिक्रमण मुक्त रखने की सख्त हिदायत दी गई।

अल्ट्रासाउंड में अनियमितता की जांच सार्वजनिक करने की मांग

बागेश्वर। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष भगवत सिंह डसीला ने जिला चिकित्सालय में अल्ट्रासाउंड में मरीजों से लिए जा रहे अवैध शुल्क की जांच सार्वजनिक किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कांग्रेस की मांग पर पूर्व में मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए हैं। उन्होंने जन औषधि केंद्र में दवाइयां उपलब्ध कराने की भी मांग की है। भगवत सिंह डसीला ने कहा कि विगत माह अल्ट्रासाउंड कक्ष में तैनात कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत मिलने पर उन्होंने जिलाधिकारी से इस संबंध में जांच की मांग की जिस पर उन्होंने मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिए थे परंतु अब तक जांच पर कोई जानकारी नहीं मिली है उन्होंने जांच को सार्वजनिक किए जाने की मांग की है। साथ ही प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र में पर्याप्त दवाइयां न मिलने के कारण जनता को हो रही परेशानी को दूर करने की मांग की है। कहा कि प्रतिदिन दर्जनों लोग जन औषधि केंद्र में जा रहे हैं परंतु उन्हें दवाइयां तक नहीं मिल पा रही हैं। कहा कि यदि शीघ्र दवाइयां उपलब्ध नहीं हो पाती हैं तो प्रशासन को चाहिए कि वह केंद्र को बंद करे तथा जनता के साथ छलावा बंद करें।

एमवी एक्ट पर पांच के खिलाफ कार्रवाई

पिथौरागढ़। डीडीहाट पुलिस ने शराब पीकर वाहन संचालित करते हुए पांच लोगों को पकड़ा है। प्रभारी निरीक्षक हिमांशु पंत के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान चालक बड़ेत पांखू निवासी कमलेश कुमार, कोटगाड़ी निवासी किशोर कुमार, डुगरी के होशियार सिंह और पांखू के जीवन कार्की को शराब पीकर वाहन चलाते हुए पकड़ा।

इधर वड्डा में चौकी प्रभारी जितेंद्र सोराड़ी ने चालक कमल कुंव जोशा मुनस्यारी को शराब के नशे में पकड़ा। पुलिस ने सभी के खिलाफ एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

साइबर ठगी के पीड़ित को लौटाई धनराशि

बागेश्वर। साइबर सैल ने धोखाधड़ी के शिकार व्यक्ति के खाते में 50 हजार रुपये लौटा दिए हैं। पीड़ति ने बीते दिनों ऑनलाइन ठगी हुई थी। उससे लोन एप डाउनलोड कराया था। धनराशि जमा कराते ही वह आहरित हो गई थी। पुलिस अधीक्षक हिमांशु कुमार वर्मा ने बताया कि ऑनलाइन धोखाधड़ी के लिए साइबर सैल और थाना प्रभारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस उपाधीक्षक आपरेशन अंकित कंडारी, शिवराज सिंह राणा के पर्यवेक्षण में टीम प्रभावी कार्रवाई कर रही है। कांडे–कन्याल निवासी शिवम कुमार पुत्र राजकुमार ने बीते तीस मई को प्राथमिकी दी। बताया कि लोन एप डाउनलोड किया था।

डेढ़ किलो अफीम के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर। पुलभट्टा पुलिस ने 1 किलो 505 ग्राम अफीम के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गुरुवार को एसपी क्राइम चंद्रशेखर घोड़के ने पुलभट्टा थाने में घटना का खुलासा करते हुए बताया कि बीते बुधवार को पुलभट्टा पुलिस ग्राम सुतईया के ओर जाने वाले मार्ग पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों को रोक लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से 1 किलो 505 ग्राम अफीम, 330 रुपये नगद और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने अपना नाम नवल यादव पुत्र हाकिम सिंह निवासी ग्राम रसूलपुर बिनावर बदायूं और शिवम पटेल पुत्र ओमकार निवासी ग्राम बरा विक्रम जहानाबाद पीलीभीत बताया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वह वह बदायूं से अफीम लेकर सिरौलीकला चारबीघा किच्छा में रहीश नामक व्यक्ति को देने आए थे। रहीश ने उन्हे इसी रास्ते पर इंतजार करने के लिए कहा था। एसपी क्राइम ने बरामद अफीम की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 15 लाख रुपये बताई है। पत्रकार वार्ता के दौरान एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल और सीओ सितारगंज ओमप्रकाश शर्मा मौजूद रहे।

पुलिस टीम दो हजार रुपये के पुरस्कार की घोषणा

किच्छा। एसएसपी ने आरोपियों को पकड़ कर अफीम बरामद करने वाली पुलिस टीम को दो हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की है। पुलिस टीम में पुलभट्टा थाना इंचार्ज कमलेश भट्ट, एसआई पवन जोशी, हे.का. धरमवीर सिंह, फिरोज खान, का. ललित चौधरी और चारू पंत रहे।

टारगेट किलिंग पर एकम सनातन भारत का प्रदर्शन

रुद्रपुर। टारगेट किलिंग पर आक्रोशित एकम सनातन भारत के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र सरकार से मांग की।

गुरुवार को एकम सनातन भारत के वरिष्ठ नेता डॉ. आरके महाजन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गदरपुर बाजार में हाथों में ब्लैक कार्ड लेकर प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा देश में जेहादी ताकतें सोची समझी साजिश के तहत टारगेट किलिंग को अंजाम दे रही हैं। जम्मू–कश्मीर में दीपू कुमार और दिल्ली में चाकू गोदकर सनातनी बेटी की हत्या इसका हिस्सा है। सोची समझी साजिश के तहत पाकिस्तान के इशारे पर यह काम किया जा रहा है। केंद्र सरकार को इन लोगों के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार कर फास्ट कोर्ट के माध्यम से सजा दिलाने की मांग की।

कुविवि में स्टार्टअप विषय पर हुई कार्यशाला

नैनीताल। कुमाऊं विवि के इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन सेंटर और डॉ. राजेंद्र प्रसाद लॉ इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स एवं आईटी मैनेजमेंट फॉर स्टार्टअप विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन सेंटर की निदेशिका प्रो. सुषमा टम्टा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला की जानकारी दी। मुख्य वक्ता शोध निदेशक प्रो. ललित तिवारी ने आईपीआर विषय पर व्याख्यान दिया।

नशे के खिलाफ जागरूक किया

नैनीताल। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में पीएनजी कॉलेज के एंटी ड्रग सेल एवं संयुक्त चिकित्सालय के संयुक्त तत्वाधान में कार्यक्रम हुआ। जिसमें संयुक्त चिकित्सालय की सीएमएस डॉ.चंद्रा पंत, विधायक दीवान सिंह बिष्ट और प्राचार्य प्रो. एमसी पांडे की ओर से एक दिवसीय नशा मुक्त शिविर लगाया गया। मुख्य अतिथि विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने वृक्ष लगाकर तंबाकू आदि पदार्थों के सेवन का समाज हित में सबके निषेध की बात कही। उन्होंने तंबाकू निषेध कानून पर भी चर्चा की। हॉस्पिटल में तंबाकू निषेध अधिनियम पर विस्तार से डॉ. जया भट्ट ने अपने विचार रखें। वहीं नशे के खिलाफ जागरूक किया गया। यहां एंटी ड्रग्स सेल के डॉ.अखिलेश भट्ट, डॉ. शिप्रा पंत, दर्शन सिंह, कोमल शर्मा आदि मौजूद रहे।

लंबी रोग नियंत्रण के लिए चिकित्सा टीमें गांव–गांव पहुंचेंः डीएम

बागेश्वर। जिलाधिकारी ने पशुपालन विभाग को निर्देश दिए वह वह लंपी रोग के नियंत्रण के लिए गांव–गांव पहुंचे। वहां शिविर लगाकर वहां टीकाकरण करें व दवा बांटें। जो पशु रोग से ग्रसित नहीं हैं उन्हें भी वैक्सीनेशन करें। तांकि वह रोग मुक्त हो सकें। रोग को महामारी न बनने दें। इसमें लापरवाही किसी भी स्तर की सहन नहीं होगी। कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. आर चंद्रा ने बताया कि लंपी वायरल बीमारी है, इस पर नियंत्रण करने में थोडा समय लग रहा है, इसके लिए पशुपालकों को जागरूक करते हुए पशुओं का वैक्सीनेशन किया जा रहा है, साथ ही दवा भी दी जा रही है। बताया कि पशु गणना के अनुसार लगभग 76 हजार पशु जनपद में है, जिसमें से 34 हजार पशुओं का पंजीरण कर वैक्सीनेशन एवं दवा वितरण करा दिया गया है। आगामी 15 जून तक सभी पशुओं का वैक्सीनेशन व दवापान करा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दवाइयां पर्याप्त मात्रा में है, वैक्सीनेशन की और मांग की गई है, जो शीघ्र उपलब्ध हो जाएगी। जिलाधिकारी के गोट वैली योजना की समीक्षा के दौरान नोडल अधिकारी डॉ. आर चंद्रा ने बताया कि गत वित्तीय वर्ष में गोट वैली योजना के अंतर्गत कपकोट क्षेत्र को लिया गया था, जिसमें 28 पशुपालकों को योजना के अंतर्गत पांच बकरी एवं एक बकरा उपलब्ध करा दिए गए है, जबकि 28 पशुपालकों को सहकारिता विभाग द्वारा इसी सप्ताह के भीतर बकरी उपलब्ध करा दी जाएगी,

रेलवे लाइन के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव

रुद्रपुर। गुरुवार को शांतिपुरी में रेलवे लाइन के पास संदिग्ध हालात में युवक का शव मिलने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। वहीं पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शांतिपुरी के ग्राम जवाहरनगर आदर्श बिहार कालौनी निवासी दीपक मेहता (35) वर्ष पुत्र हीरा सिंह मेहता का शव गुरुवार सुबह स्थानीय ग्रामीणों को रेलवे लाइन के पास संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पंतनगर पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रथम दृष्टया युवक की मौत ट्रेन की टक्कर से होने की आशंका है। मृतक के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं हैं। शव के पास कम्बल मिला है। इधर, ग्रामीणों का कहना है कि दीपक मेहता ड्राइविंग का काम करता था।

गूलरभोज में कैंप लगाकर बांटे आयुष्मान कार्ड

रुद्रपुर। नगर पंचायत गूलरभोज में कैंप लगाकर आयुष्मान कार्ड बांटे गए। गुरुवार को गांधी आश्रम मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष अनिता दुबे और खेलकूद युवा मोर्चा के प्रदेश संयोजक अतुल पांडे ने 100 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड दिए। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा इस योजना से लाभार्थी पांच लाख तक का इलाज निशुल्क करा सकता है।

8 पेटी अवैध शराब के साथ रेस्टोरेन्ट स्वामी गिरफ्तार

अल्मोड़ा। सोमेश्वर पुलिस ने एक रेस्टोरेंट स्वामी को 08 पेटी अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा, राम चन्द्र राजगुरु द्वारा नशा मुक्त अभियान के तहत जनपद के समस्त थाना, चौकी व एसओजी, एएनटीएफ प्रभारियों को जनपद में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री पर पूर्ण अंकुश लगाने हेतु नियमित रुप से चैंकिग अभियान चलाकर नशा तस्करों व होटल, ढाबों व रेस्टोरेंटों में शराब पिलाने एवं बेचने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। सीओ ऑपरेशन ओशिन जोशी के पर्यवेक्षण में बुधवार शाम सोमेश्वर पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री की रोकथाम व नशा तस्करों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग अभियान के दौरान रनमन में गोस्वामी रेस्टोरेन्ट से 08 पेटी अवैध अंग्रेजी, देशी शराब बरामद होने पर रेस्टोरेंट संचालक मनोज गिरी(38 वर्ष) पुत्र आनन्द गिरी, निवासी ग्राम सिमखोला को गिरफ्तार कर थाना सोमेश्वर में आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

मामले के सम्बन्ध में थानाध्यक्ष सोमेश्वर विजय सिंह नेगी ने बताया कि अभियुक्त अपने रैस्टोरेन्ट में अवैध रुप से लोगों को शराब पिलाकर व बेचकर आर्थिक लाभ प्राप्त करना चाहता था, जिसे चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया।

दस साल बाद पॉलिटेक्निक को मिला अपना भवन

पिथौरागढ़।राजकीय पॉलीटेक्निक मूनाकोट दस साल बाद अपने भवन में शिफ्ट हो पाया है। आचार्य विवेक जोशी व दीपक जोशी ने भवन पूजा का कार्यक्रम कराया । इस दौरान सुंदरकाण्ड, रुद्रीपाठ व नवग्रह हवन किया गया । प्रधानाचार्य रवीन्द्र कुमार नरियाल ने कहा भवन निर्माण का कार्य वर्ष 2013 में शुरू हुआ था। 19 मई 2023 को पेयजल निर्माण निगम ने 3.15 करोड़ की लागत से तैयार कर पॉलीटेक्निक मूनाकोट को हस्तांतरित किया। नरियाल ने कहा पूर्व में संस्था मूनाकोट ब्लाक परिसर में संचालित की जा रही थी । यह अब जीआईसी कमलेश्वर के पास बने नये भवन में संचालित की जाएगी। नारियाल ने कहा संस्था में सिविल इंजीनियरिंग का पाठ्यक्रम संचालित है।

जोहार सांस्कृतिक समिति के लोग मिले राष्ट्रपति मुर्मू से

बागेश्वर। जोहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति के लोग दिल्ली जाकर राष्ट्रपति द्रोपती मुर्मू से मिले। उन्हें अपनी संस्कृति विरासत के बारे में बताया। उन्होंने जड़ी–बूटी, हस्तशिल्प और हथकरघा के विपणन के लिए बागेश्वर स्थित भोटिया पड़ाव बनखोला भवन और उसकी भूमि को उनके नाम हस्तांतरित करने की मांग की है। मुख्य संरक्षक गंगा सिंह पांगती के नेतृत्व में समिति लोग दिल्ली गए। राष्ट्रपति से मिले। उन्हें अपनी समस्या का एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि उनकी समिति पंजीकत है। जो भोटिया जनजाति समुदाय की है।

उत्तराखंड सीमांत क्षेत्र में निवास करने वाले भेटिया जनजाति के हम आदिकाल काल से तिब्बत व्यापार व कुटीर उद्योग से अपनी आजीविका चलाते हैं। तिब्बत व्यापार व कुटीर उद्योग के लिए उन्हें अंग्रेजों ने बागेश्वर, हल्द्वानी, रामनगर आदि स्थानों पर भोटिया पड़ाव के नाम से भूमि आवंटित की थी। 19वीं सदी से ही हम इन पड़ावों में पट्टेदार की तरह कब्जेदार है। एटकिंसान के गजेटियर में इसीक पुष्टि की जा सकती है, लेकिन सरकार ने इन स्थानों पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने जड़ी–बूटी, हस्तशिल्प तथा हथकरघ के विपणन के लिए बनखोला भवन बागेश्वर व भूमि को जोहार सांस्कृतिक के नाम करने की मांग की है। मांग करने वालों में अध्यक्ष पूजा पांगती, लक्ष्मी धर्मशक्तू, दया रावत, पवन सिंह रावत, खुशाल मतौलिया आदि मौजूद रहे।

देवभूमि उत्तराखण्ड में कार्य करने की अनेक संभावनाएं : धामी

इन्वेस्टर्स समिट की सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करें

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन की तैयारियों के सबंध में सचिवालय में बैठक लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि इन्वेस्टर्स समिट की सभी तैयारियां समय पर पूर्ण की जाएं। उत्तराखण्ड में नवम्बर/दिसम्बर 2023 में होने वाले इस इन्वेस्टर्स समिट के शुभारंभ के लिए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड में कार्य करने की अनेक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में निवेश की संभावनाओं को बढ़ाने का यह हमारे पास अच्छा अवसर है। राज्य में उद्योगों की स्थापना के लिए अच्छे वातावरण के साथ ही बेहतर मानव संसाधन भी है। राज्य में अधिक से अधिक निवेशक आयें, इसके लिए मजबूत नई औद्योगिक नीति बनाई गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में हवाई, रेल एवं सड़क कनेक्टिविटी का जिस तेजी से विस्तार हो रहा है, यह औद्योगिक जगत के लोगों को देवभूमि उत्तराखण्ड आने के लिए आकर्षित कर रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत 02 रोड शो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एवं 06 रोड शो राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तावित हैं। इसके अलावा मसूरी एवं रामनगर में मिनी कॉन्क्लेव का आयोजन भी प्रस्तावित है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत राज्य में पर्यटन, उद्योग, आईटी, स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रों में राज्य में निवेश के लिए रोड शो एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, विनय शंकर पाण्डे, एमडी सिडकुल रोहित मीणा एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

छात्रों ने दी रावण लीला नाटक की प्रस्तुति

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र में बाल रंग यात्रा के अंतर्गत आयोजित पांच दिवसीय नाट्य समारोह के अंतिम दिन डा. कुसुम कुमार कृत रावण लीला नाटक की भगवती मेमोरियल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रस्तुति दी। हास्य के साथ-साथ रामलीला के लोक कलाकारों की आर्थिक समस्या भी नाटक के कथानक के केंद्र में रही।

नाट्य समारोह के अंतिम दिन प्रसिद्ध रंगकर्मी तथा विभाग के प्राध्यापक प्रो. डीआर पुरोहित ने छात्रों को नाट्य मंचन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि रंगमंच के उत्थान के लिए वर्षों से हमारे समय में भी और आज भी निरंतर प्रयास हो रहे हैं। मुख्य अतिथि बृजेश भट्ट ने भी सभी नन्हें कलाकारों को बधाई दी। उन्होंने रंगमंच के क्षेत्र में बच्चों के रुझान की सराहना की।

नाटक में संगीत, परिकल्पना व निर्देशन एमए रंगमंच द्वितीय वर्ष के छात्र गौरव सिंह और विकेश बाजपेयी ने किया। संगीत संचालन अनुष्का जुयाल व प्रकाश संचालन अंकित भट्ट ने किया। नाटक में अक्षिता, सानिया, अरूषी, दिव्यांशी, कुमकुम, प्राची, अनिष्का, अरमान, आदित्य, अरूणिका, तान्या, साक्षी सहित 40 छात्र-छात्राओं ने अभिनय किया।

सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का दिया भरोसा

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर की समस्याओं के निराकरण के लिए नगर आयुक्त एवं उप जिलाधिकारी श्रीनगर अजयवीर सिंह ने प्रगतिशील जनमंच के पदाधिकारियों व सुमाड़ी के लोगों से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने प्रगतिशील जनमंच के द्वारा उठाए गई समस्याओं का निराकरण एक माह के अंदर किए जाने का आश्वासन दिया। जनमंच ने कहा कि नगर क्षेत्र की सड़कों में गड्ढे एवं डामर उखड़ने से लोगों को भारी दिक्कतें हो रही हैं। कहा यदि 25 जुलाई तक सड़कों का डामरीकरण और गड्ढा मुक्त सड़कें नहीं हुई तो उन्हें उग्र आंदोलन करने को विवश होना पड़ेगा।जनमंच के अध्यक्ष अनिल स्वामी ने बताया कि शहर की समस्याओं के निराकरण के लिए 5 जून से जनमंच की ओर से धरना प्रदर्शन प्रस्तावित था। लेकिन गुरुवार को इस मामले में एसडीएम ने बैठक आहुत कर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है। इसके अलावा सुमाड़ी के प्रधान सत्यदेव बहुगुणा ने एसडीएम के समक्ष एनआईटी के सुमाड़ी में बनने वाले स्थायी परिसर के निर्माण में हो रही देरी व लोगों को हो रही परेशान का मामला उठाया। कहा सरकार की उदासीनता के चलते एनआईटी के लिए भूमि दान करने वाले लोगों में गहरा आक्रोश है। मौके पर एसडीएम ने सुमाड़ी एनआईटी के स्थाई परिसर निर्माण व सुमाड़ी क्षेत्र की भूमि अधिग्रहण की विसंगतियों को दूर करने का आश्वासन दिया। बैठक में सहायक नगर आयुक्त रवि बंगारी, सहायक अभियंता पवन कुमार कोटियाल, अवर अभियंता पूजा नेगी, प्रो. एसएस रावत, योगेंद्र कांडपाल, भगवती प्रसाद पुरी, उम्मेद सिंह मेहरा, मुकेश अग्रवाल, सत्यदेव बहुगुणा, विनोमद मैठाणी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

विधानसभा अध्यक्ष 4 को रूद्रप्रयाग में

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूडी भूषण आगामी 4 जून को एक दिवसीय जनपद भ्रमण पर रहेंगी। जिला कार्यालय से प्राप्त सूचना के अनुसार विधान सभा अध्यक्ष 4 जून (रविवार) को प्रातः 10 बजकर 30 मिनट पर घनसाली से प्रस्थान कर 1 बजे ऊखीमठ पहुंचेंगी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम एवं लोकेशन	कार्य की अनुमानित लागत (₹)	कार्यालय का पता जहां से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्योरिटी राशि (₹)	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता
1.	35/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2023 दूसरी कॉल ABSS के लिए विद्युत कार्य: मुरादाबाद मंडल में अमृत भारत स्टेशनों के लिए लिफ्ट और एस्केलेटर के प्रावधान के लिए विद्युत कार्य।	79,41,752.93 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद	1,58,800/-	6(छः) माह	निविदाएं दिनांक 23.06.2023 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन 15:03 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय/ उत्तर रेलवे/ मुरादाबाद
2.	34/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2023 R दूसरी कॉल ABSS के लिए विद्युत कार्य: अमृत भारत योजना के तहत मुरादाबाद मंडल के [illegible] स्टेशन का उन्नयन (सर्कुलेटिंग एरिया)।	1,57,90,113.85 (जीएसटी सहित)		2,29,000/-	5(पांच) माह	निविदाएं दिनांक 23.06.2023 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन 15:03 बजे खोली जायेंगी।	
3.	37/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2023 मुरादाबाद मंडल के HPU, MB और RAC में वार्ड में लाइटिंग के प्रावधान के लिए विद्युत कार्य।	38,57,962.56 (जीएसटी सहित)		75,200/-	6 (छः) माह	निविदाएं दिनांक 23.06.2023 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन 15:03 बजे खोली जायेंगी।	

निविदा सूचना सं. 24/2023 दिनांक 01.06.2023 1680/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बदरीनाथ से सनातन जन जागृति अभियान शुरू

चमोली। नारायणी सेना ने बदरीनाथ से सनातन जन जागृति अभियान का शुभारंभ किया। नारायणी सेना के आचार्य रामानुज ने जानकारी देते हुए बताया कि भगवान बदरी विशाल के दर्शन के बाद शुरू किये गये जन जागृति अभियान के तहत जोशीमठ और चमोली के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जन सम्पर्क कर सनातन धर्मियों को सनातन धर्म की विशिष्टताओं के बारे में बताया गया। गोपेश्वर मंदिर में जनजागृति सभा करने बाद देश के प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर मथुरा काशी की मुक्ति, 1925 से भारत सरकार के अधीन मठ मंदिरों की मुक्ति व भारत को कर्म प्रधान सनातन राष्ट्र घोषित करने की मांग की गई। सौंपे ज्ञापन में कहा कि देवभूमि भारत के समस्त तीर्थों में मांस मदिरा की बिक्री बंद कराई जाए। आचार्य रामानुज ने उत्तराखंड सरकार के फैसले पर आभार जताया। रामानुज ने कहा कि हमें देव भूमि की रक्षा के लिए कड़े और बड़े फैसले लेने की आवश्यकता है। धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए संत समाज व नारी शक्ति को भी आगे बढ़ कर आना होगा। नारायणी सेना द्वारा हर ग्राम नगर व जिले स्तर पर शीघ्र ही नारायण मठ की स्थापना की जाएगी जो कि धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए जागृति और आत्मरक्षा के लिए जन समुदाय को तैयार करेगी। इस मौके पर जिला प्रमुख वीरेंद्र सिंह भंडारी, प्रांतीय प्रभारी यशपाल सिंह, देवेंद्र सिंह फरस्वान, हरी बोधिनी, चंद्रकला, मालाजी, हरीश भट्ट, खिलाफ सिंह सरपंच वीरेंद्र सिंह देवी, गोपाल राम भारती आदि मौजूद थे।

बेटी की शादी पर 21 हजार रुपये का चेक दिया

नई टिहरी। सर्वजन हिताय संस्था ने चंबा ब्लॉक की ग्राम बड़ा स्यूटा के स्व.धनपाल सिंह पुंडीर की बेटी हिमानी की शादी पर उसके परिवार की 21 हजार रुपये की आर्थिक मद्द की है। संस्था की कोषाध्यक्ष निवेदिता पंवार ने हिमानी की मां प्यारी देवी को 21 हजार रुपये का चेक सौंपा। उन्होंने बताया कि सर्वजन हिताय संस्था समय समय पर आर्थिक रुप से गरीब लोगों की मद्द के लिये आगे आती रही है। ग्राम प्रधान मंगली देवी, जिपंस यलमा सजवाण, क्षेपंस शांति पुंडीर, महिला दल अध्यक्ष अनीता भंडारी आदि ने हिमानी को उनकी शादी पर शुभकामना दी है।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री हिमानी का जन्म दिनांक 28/09/2013 को राजकीय चिकित्सालय कोटद्वार में हुआ है। मेरी पुत्री हिमानी के जन्म प्रमाण पत्र में उसके पिता का नाम विजय सिंह अंकित किया गया है, जो कि गलत है। जबकि मेरी पुत्री के पिता का सही व वास्तविक नाम विपिन है। अतः मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में उसके पिता का सही व वास्तविक नाम विपिन अंकित कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

शाधना पत्नी विपिन
निवासी वार्ड नंबर- 28
सत्तीचौड़, तहसील कोटद्वार,
जिला पौड़ी गढ़वाल।

दिसंबर तक जल जीवन मिशन के सभी कार्य पूर्ण करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने गुरूवार को क्लेक्ट्रेट में जल जीवन मिशन के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि इस दिसंबर तक जल जीवन मिशन के सभी कार्य पूर्ण करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि जल जीवन मिशन एक महत्वाकांक्षी योजना है। सभी कार्यदायी संस्थाएं लक्ष्य निर्धारित करते हुए निर्माण कार्यों में प्रतिदिन प्रगति लाना सुनिश्चित करें। निर्माण कार्यों के दौरान यदि कहीं पर फॉरेस्ट भूमि संबंधी बाधा आ रही है, तो संबंधित उप वन क्षेत्राधिकारी से मिलकर समस्या का शीघ्र निस्तारण करें। ऐसी योजनाएं जिनमें संयुक्त सर्वेक्षण पूरा हो गया है उनका कार्य प्रारंभ करें। जिन घरों में एफएचटीसी हो गई है, उनको अपलोड किया जाए। मानसून सीजन में निर्माण कार्यों के लिए अभी से योजना बनाकर कार्य करें। ताकि बारिश के कारण कार्य प्रभावित न हो। उन्होंने निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन के कार्यों को हर हाल में इस वर्ष दिसंबर तक पूरा किया जाए। साथ ही मुख्य विकास अधिकारी को प्रत्येक सप्ताह जल जीवन मिशन कार्यों की प्रगति समीक्षा करने को कहा। इस दौरान सभी डिवीजनों के अंतर्गत चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता सुशील कुमार सैनी ने बताया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत में 77650 घरेलू जल संयोजन के सापेक्ष अभी तक 72885 घरेलू जल संयोजन किए जा चुके है और 93.86 प्रतिशत एफएचटीसी का कार्य पूरा कर लिया गया है। अवशेष 4765 घरेलू संयोजन का कार्य प्रगति पर है। पेयजल योजनाओं के पुर्नगठन एवं जल स्त्रोतों के सुधारीकरण योजनाओं के लिए दो करोड़ से कम लागत की 482 स्वीकृत आंगणन में से 481 के टैंडर हो चुके है, जिसमें से 406 कार्य प्रगति पर तथा 75 कार्य पूर्ण कर लिए गए है। दो से पांच करोड़ तक की योजनाओं में स्वीकृत 10 योजनाओं में से 9 योजनाओं के टैंडर करने के बाद कार्य प्रगति पर है तथा एक योजना का टैंडर होना है।

पांच करोड़ से अधिक की एक योजना में भी कार्य प्रगति पर चल रहा है। जेजेएम के अन्तर्गत आवंटित कुल 903.48 लाख में से 704.89 लाख व्यय हो चुका है। बैठक में जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता सुशील कुमार सैनी, अधीक्षण अभियंता वीके जैन, मिथलेश कुमार, एसके श्रीवास्तव, अरुण प्रताप सिंह, सहायक अभियंता कैलाश चन्द्र, सुरेन्द्र लाल आदि उपस्थित थे।

उकिमो ने ऊर्जा निगम के खिलाफ की नारेबाजी

रुड़की। उत्तराखंड किसान मोर्चा की मासिक पंचायत ऊर्जा निगम कार्यालय पर हुई। मोर्चा के सदस्यों ने निगम के खिलाफ नारेबाजी की। उकिमो की ओर से हर माह की पहली तारीख को मासिक पंचायत की जाती है। इस बार की मासिक पंचायत सिविल लाइंस स्थित ऊर्जा निगम के अधीक्षण अभियंता कार्यालय परिसर में हुई। उत्तराखंड किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं और किसानों ने निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उकिमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुलशन रोड़ ने कहा कि उत्तराखंड को उर्जा प्रदेश कहा जाता है।

संगठन सरकार से मांग करता है कि देश के अन्य प्रदेशों की तरह किसानों को सिंचाई के लिए निशुल्क बिजली दी जाए। ऐसा नहीं होने पर जल्द ही इस मुद्दे पर किसान सड़कों पर उत्तरकर बड़े आन्दोलन को मजबूर होंगे। किसान नेता राजेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि ऊर्जा निगम किसानों का लगातार शोषण कर रहा है।

ऑपरेशन मुक्ति अभियान से संवर रहा गरीब नौनिहालों का जीवन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट द्वारा प्रोजेक्ट हेल्प संस्था के सहयोग से रेलवे स्टेशन और झंडाचौक में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया। एएचटीयू पौड़ी पुलिस टीम द्वारा ऑपरेशन मुक्ति के तहत अब तक 56 असहाय बच्चों का दाखिला स्कूलों में कराया गया।

विभव सैनी पुलिस उपाधीक्षक/नोडल अधिकारी एएचटीयू के पर्यवेक्षण में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (ऑपरेशन मुक्ति) टीम द्वारा कोटद्वार के रेलवे स्टेशन, झंडा चौक आदि स्थानों पर प्रोजेक्ट हेल्प संस्था के सहयोग से नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनता को जागरूक किया गया।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: [illegible] दिनांक 30.05.2023

भण्डार की आपूर्ति हेतु आमंत्रित निविदा इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई-प्रणाली के अंतर्गत

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ भण्डार सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, [illegible] द्वारा संविदाकर्ताओं से निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रणाली के अन्तर्गत भण्डार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	निविदा सं.	मद का विवरण	मात्रा	बयाना राशि रु.	अनुमानित मूल्य रु.	निविदा खुलने की तिथि
01	37235215	[illegible]	1 [illegible]	50,000/-	45,00,000/-	30.06.2023

टिप्पणी: पूर्ण विवरण एवं निविदा शर्तें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। [illegible] नहीं की जायेगी। 1682/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

दुर्घटना, आत्महत्या या षड्यंत्र

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सुरक्षाकर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव राजभवन के बैरक में मिला जिसमें पता लगा कि गोली उनके सिर के पार हो गई। कमांडो प्रमोद रावत पौड़ी के रहने वाले थे, और निश्चित है कि मुख्यमंत्री के कमांडो की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होना एक बड़ी बहस का मुद्दा बन सकता है। कहा जा रहा है कि कमांडो ने अपनी एके-47 से आत्महत्या की है जबकि आला अधिकारी अभी इस कारण को पुख्ता नही बता रहे हैं। आला अधिकारियों का कहना है कि कमांडो घर से संपन्न था जबकि छुट्टी ना मिलने की बातें भी निराधार है। हत्या के कारणों में प्रमोद रावत को छुट्टी ना मिलना मुख्य विषय बताया जा रहा है लेकिन अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की है कि 16 जून से उसकी छुट्टी स्वीकृत की जा चुकी थी लिहाजा यह कारण अधिक मायने नही रखता। अब सवाल यह उठता है कि यदि यह आत्महत्या नही है तो क्या दुर्घटना है या फिर कोई षड्यंत्र? अधिकारी अभी पुख्ता तौर पर कुछ भी कहने को तैयार नहीं है, लेकिन एक होनहार कमांडो की मौत ने कई सवाल तो खड़े कर ही दिए हैं। यदि सिपाही ने आत्महत्या की है तो क्या यह माना जा सकता है कि उत्तराखंड में भी कार्य का भार या सामाजिक कार्यों के लिए छुट्टी ना मिल पाना मानसिक अवसाद का कारण बन रहा है? सशस्त्र बलों में इस प्रकार की घटनाएं पहले भी काफी सामने आ चुकी है जहां सुरक्षाकर्मियों ने छुट्टी ना मिलने के कारण यादव अधिकारियों पर गोलियां बरसाई या फिर खुद अपना जीवन समाप्त कर लिया। निश्चित तौर पर सुरक्षाकर्यों का कार्य बेहद जटिल एवं कर्तव्यनिष्ठा से युक्त होता है तथा इन परिस्थितियों में कार्य स्थल एवम कार्य की प्रकृति अनुकूल ना होने के कारण कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं। कमांडो को मुख्यमंत्री के साथ कुमाऊं के दौरे पर जाना था और एक बार को मान लिया जाए की मृतक कमांडो मानसिक अवसाद से जूझ रहा था तो क्या इन परिस्थितियों में वह ऐसी अति विशिष्ट व्यक्ति की सुरक्षा ड्यूटी करने में सक्षम था? किसी भी फोर्स में कमांडो उन सुरक्षाकर्मियों को नियुक्त किया जाता है जो विषम से विषम परिस्थितियों में भी बल, बुद्धि, शौर्य, धैर्य एवं विवेक का बखूबी प्रयोग करना जानते है, लेकिन यदि कमांडो ही अपने मन विवेक पर काबू न रख पाए तो फिर क्या बड़े हादसे की कल्पना की जा सकती है? अधिकारियों के अनुसार कमांडो प्रमोद रावत पारिवारिक तौर पर आर्थिक रूप से संपन्न था जबकि उसकी छुट्टी को लेकर भी किसी प्रकार का कोई संशय नही था, लेकिन बावजूद इसके एक कर्तव्यनिष्ठ युवा एवं कर्मठ कमांडो की जान चली गई जिसकी गंभीरता से जांच होना बेहद जरूरी है। आत्महत्या या दुर्घटना के साथ-साथ क्या षड्यंत्र की भी संभावना हो सकती है, इस बिंदु को लेकर भी जांच एजेंसियों को आगे बढ़ना चाहिए। फिलहाल तो अधिकारी इसे दुर्घटना बता रहे हैं लेकिन असल सत्य तो तभी सामने आएगा जब निष्पक्षता से कमांडो प्रमोद रावत की मौत की जांच की जाएगी। उत्तराखंड पुलिस उम्मीद की जाती है कि वे इस मामले में सटीक तथ्यों को सामने लाएगी ताकि आने वाले समय में इस प्रकार के हादसों या मनोवृति से बचा जा सके।

एकता दिखाने की नहीं बनाने की जरूरत

ध्यान रहे लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन बनाने के लिहाज से बिहार और झारखंड सबसे आसान राज्य हैं क्योंकि इन दोनों राज्यों में पहले से भाजपा विरोधी गठबंधन बना हुआ है और राज्य के शासन में है। इसलिए शुरुआत इन्हीं दोनों राज्यों से होनी चाहिए। उसके बाद दूसरा आसान राज्य तमिलनाडु है, जहां पहले से अन्ना डीएमके और उसकी सहयोगी भाजपा के खिलाफ गठबंधन बना हुआ है और वह सरकार में है। पिछली बार लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु में गठबंधन का प्रदर्शन कमाल का रहा था। राज्य की 39 में से 38 सीटें डीएमके, कांग्रेस गठबंधन ने जीती थी। तीसरा आसान राज्य महाराष्ट्र है, जहां एनसीपी, कांग्रेस और शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट का गठबंधन है। एक साल पहले तक यह गठबंधन राज्य की सरकार में था। इन तीनों पार्टियों के नेताओं को बैठ कर सीटों का बंटवारा कर लेना चाहिए। कुछ राज्य ऐसे हैं, जहां गठबंधन का मामला पेचीदा है और हो सकता है कि वहां पार्टियों का अलग अलग लडऩा ज्यादा कारआमद हो। ऐसे राज्यों में केरल, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना आदि हैं।

अजीत द्विवेदी

जदयू के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने के प्रयास के तहत 12 जून को पटना में एक बड़ी बैठक होने वाली है। इसमें डेढ़ दर्जन विपक्षी पार्टियों के नेता जुटेंगे। दिन भर की बैठक होनी है, जिसमें अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा होगी। सवाल है कि इस कवायद से क्या हासिल होगा? खुद नीतीश कुमार की पार्टी का बिहार के बाहर कहीं अस्तित्व नहीं है और बिहार से बाहर किसी दूसरे राज्य में उनके लोकसभा चुनाव लडऩे की स्थिति नहीं है। वे जिन पार्टियों को बैठक के लिए बुला रहे हैं उनमें से कांग्रेस को छोड़ कर किसी दूसरी पार्टी की हैसियत अपने असर वाले एक राज्य से बाहर चुनाव लडऩे की नहीं है। आम आदमी पार्टी और सीपीएम अपवाद हैं, जो एक से ज्यादा राज्य में चुनाव लड़ सकते हैं लेकिन एक-दो राज्यों के बाहर उनकी भी मौजूदगी सिर्फ सांकेतिक है और उसमें भी उनको केरल में तालमेल नहीं करना है।

तभी सवाल है कि ऐसी पार्टियों के साथ साझा बैठक करने से क्या देश भर के चुनाव की रणनीति बन सकती है? क्या इतने बड़े नेताओं को पता नहीं है कि 20 लोगों की बैठक में कोई सार्थक और बारीक बातचीत नहीं होती है? इसलिए क्या ज्यादा अच्छा यह नहीं होता कि राज्यवार बैठकें होतीं और किसी खास राज्य में जिस पार्टी का मजबूत आधार है उसके साथ उस राज्य में मौजूदगी वाली दूसरी पार्टियों की बैठक होती और सीटों का फॉर्मूला तय होता? ऑप्टिक्स के लिए ठीक है कि सारे नेता जुटें। लेकिन कितनी बार जुटें? संसद सत्र के दौरान सभी विपक्षी पार्टियों के नेता साझा बैठक करते हैं और सरकार को घेरने की साझा रणनीति बनाते हैं। अभी पिछले दिनों ही बेंगलुरू में कांग्रेस सरकार के शपथ समारोह में लगभग सभी विपक्षी नेता इक_ा हुए थे। उससे अपने आप एक ऑप्टिक्स बना था, फोटो अपॉर्च्यूनिटी बनी थी और विपक्षी गठबंधन की रूप-रेखा भी साफ हो गई थी। फिर क्यों सबका जमावड़ा होना है? विपक्षी पार्टियों को समझना चाहिए कि अब सांकेतिक राजनीति का समय समाप्त हो गया। अब रियल पोलिटिक्स का समय है। अगर विपक्षी पार्टियां 12 जून को पटना में मिल रही हैं तो बंद कमरे में बैठक, साझा प्रेस कांफ्रेंस और एकजुटता प्रदर्शन करना पर्याप्त नहीं होगा। पार्टियों को गठबंधन का नेता, एजेंडा, स्वरूप आदि तय करना होगा ताकि उसके बाद राज्यवार बैठक करके चुनाव लडऩे का फॉर्मूला बने।

अभी तक जो संभावना बन रही है उसकी एक तस्वीर कर्नाटक में दिखी। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी ने कुछ पार्टियों को आमंत्रित नहीं किया था, जिनमें भारत राष्ट्र समिति और आम आदमी पार्टी शामिल हैं। कांग्रेस ने लेफ्ट को बुलाया था लेकिन केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन को नहीं बुलाया था। कांग्रेस ने जिन पार्टियों को बुलाया था उनमें से समाजवादी पार्टी का कोई प्रतिनिधि बेंगलुरू नहीं गया और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी एक सांसद को इस समारोह के लिए नियुक्त किया। सो, इस कार्यक्रम का निष्कर्ष यह है कि आम आदमी पार्टी और भारत राष्ट्र समिति से कांग्रेस तालमेल नहीं करना चाहती है। वह समाजवादी पार्टी से तालमेल चाहती है लेकिन सपा अभी हिचक रही है। ममता बनर्जी व कांग्रेस में तालमेल का फिफ्टी-फिफ्टी चांस है और लेफ्ट के साथ तालमेल होगा लेकिन केरल में कांग्रेस और लेफ्ट दोनों अलग अलग लड़ेंगे। बाकी जिन पार्टियों के नेता सिद्धरमैया के शपथ समारोह में शामिल हुए उनके साथ कांग्रेस का तालमेल है और आगे भी रहेगा। इसका मतलब है कि डीएमके, राजद, जदयू, एनसीपी, शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट, जेएमएम आदि पार्टियों से कांग्रेस का तालमेल जारी रहेगा। बसपा, वाईएसआर कांग्रेस, बीजू जनता दल, टीडीपी आदि का अभी किसी पार्टी के साथ तालमेल नहीं है। आगे इनका तालमेल हो सकता है लेकिन कांग्रेस के साथ नहीं होगा।

यह जो शुरुआती तस्वीर दिख रही है उस पर कायदे से विपक्षी नेताओं को रंग भरना चाहिए और मुकम्मल तस्वीर बनानी चाहिए। इसकी शुरुआत नीतीश कुमार बिहार और झारखंड से कर सकते हैं।

दोनों राज्यों में भाजपा विरोधी धर्मनिरपेक्ष पार्टियां एक साथ हैं। बिहार में राजद, जदयू, कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, सीपीआईएमएल, हिंदुस्तान अवाम मोर्चा और विकासशील इंसान पार्टी एक साथ हैं। उधर झारखंड में जेएमएम, कांग्रेस और राजद की साझा सरकार है। इन दोनों राज्यों की 54 लोकसभा सीटों का एक ब्लूप्रिंट बना कर नीतीश को विपक्षी नेताओं के सामने रखना चाहिए। ध्यान रहे पिछले चुनाव में नीतीश की पार्टी भाजपा के साथ थी और तब इन 54 सीटों में भाजपा गठबंधन 51 सीटों पर जीता था। विपक्ष को सिर्फ तीन सीटें मिली थीं। नीतीश के अलग होने के बाद भी भाजपा गठबंधन के पास 35 सीटें हैं। अगर नीतीश कुमार का मकसद पूरे देश में कोई प्रभाव बनाना है तो सबसे पहले इन 54 सीटों की योजना बनाएं और बताएं कि दोनों राज्यों में गठबंधन की जो पार्टियां हैं वो कितनी कितनी सीटों पर लड़ेंगी और भाजपा की 35 सीटों में से 20 या 25 सीट कम करने की उनके पास क्या योजना है? ध्यान रहे उनकी पार्टी के नेता बार बार संख्या पर बात कर रहे हैं। उनका कहना है कि बहुमत आंकड़ों का खेल है और अगर भाजपा की 50 सीटें कम हो गईं तो वह बहुमत से नीचे आ जाएगी। अगर 50 सीटें कम करने का लक्ष्य है तो उसमें बिहार और झारखंड का क्या हिस्सा है और वह कैसे होगा?

ध्यान रहे लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन बनाने के लिहाज से बिहार और झारखंड सबसे आसान राज्य हैं क्योंकि इन दोनों राज्यों में पहले से भाजपा विरोधी गठबंधन बना हुआ है और राज्य के शासन में है। इसलिए शुरुआत इन्हीं दोनों राज्यों से होनी चाहिए। उसके बाद दूसरा आसान राज्य तमिलनाडु है, जहां पहले से अन्ना डीएमके और उसकी सहयोगी भाजपा के खिलाफ गठबंधन बना हुआ है और वह सरकार में है। पिछली बार लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु में गठबंधन का प्रदर्शन कमाल का रहा था। राज्य की 39 में से 38 सीटें डीएमके, कांग्रेस गठबंधन ने जीती थी। तीसरा आसान राज्य महाराष्ट्र है, जहां एनसीपी, कांग्रेस और शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट का गठबंधन है। एक साल पहले तक यह गठबंधन राज्य की सरकार में था। इन तीनों पार्टियों के नेताओं को बैठ कर सीटों का बंटवारा कर लेना चाहिए। कुछ राज्य ऐसे हैं, जहां गठबंधन का मामला पेचीदा है और हो सकता है कि वहां पार्टियों का अलग अलग लडऩा ज्यादा कारआमद हो। ऐसे राज्यों में केरल, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना आदि हैं।ध्यान रहे लोकसभा चुनाव में आंकड़ों का गणित बदलने वाले चार राज्य होंगे। बिहार, झारखंड, कर्नाटक और महाराष्ट्र। इन चार राज्यों में लोकसभा की 130 सीटें हैं, जिनमें से भाजपा के पास 73 सीटें हैं और उसकी सहयोगी पार्टियों के पास 21 सीटें हैं।

इस तरह 130 में से 95 सीटें एनडीए के पास हैं। विपक्ष खास-कर नीतीश कुमार जो 50 सीट कम करने की बात कर रहे हैं वह इन चार राज्यों में संभव है। इन चार में से तीन राज्यों में विपक्षी गठबंधन की पार्टियों की सरकार भी है। इसलिए चुनाव लडऩे के साधन व सलाहियात हासिल हैं। गठबंधन का सफल प्रयोग भी इन राज्यों में है। इसलिए बिहार, झारखंड के बाद विपक्ष के नेताओं को महाराष्ट्र और कर्नाटक का फैसला करना चाहिए। कर्नाटक में पिछली बार भाजपा ने 28 में से 25 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस और जेडीएस की सरकार राज्य में थी और दोनों मिल कर लड़े थे। वहां कांग्रेस के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री 20 सीट जीतने का दावा कर रहे हैं। वह कैसे होगा, इस पर गभीरता से विचार करना चाहिए। कुल मिला कर लब्बोलुआब यह है कि विपक्ष को बार बार साझा बैठक करके फोटो खिंचवाने की बजाय जमीनी स्तर पर काम करना चाहिए। जिन पार्टियों के बीच गठबंधन होना है उनके कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल बनाने का प्रयास होना चाहिए। जिन पार्टियों से तालमेल नहीं होना है उनसे स्पष्ट दूरी दिखाते हुए आगे बढऩा चाहिए। जैसे आम आदमी पार्टी का मामला है। कांग्रेस के अलावा किसी दूसरी पार्टी के असर वाले राज्य में आम आदमी पार्टी को लडऩा नहीं है और कांग्रेस को उससे तालमेल नहीं करना है तो यह स्पष्ट करते हुए दोनों पार्टियों को अपनी तैयारी करनी चाहिए।

युद्ध अपराधी असद की अरब लीग में वापसी!

श्रुति व्यास

करीब बारह साल पहले, सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद से दुनिया ने किनारा कर लिया था। अपने देश के नागरिकों को कुचलने के लिए उन्हें जम कर लताड़ा गया। सीरिया पर आर्थिक प्रतिबन्ध लगे। उनकी दमनकारी नीतियों के चलते सीरिया में बर्बर गृहयुद्ध हुआ। बशर अल-असद ने सत्ता में बने रहने के लिए रासायनिक बमों, वैगनर समूह के भाड़े के सैनिकों और ईरान-समर्थित निजी सेनाओं का जम कर उपयोग किया। सीरिया के हजारों नागरिक उनकी बेरहमी का शिकार होकर अपनी जान से गए। सीरिया की आबादी के करीब आधे अर्थात 1.3 करोड़ लोगों को अपना घरबार छोडऩा पड़ा। ऐतिहासिक इमारतें धूल में मिल गईं।शहर के शहर बर्बाद हो गए और जो बचे, उनमें रहने वाले नहीं थे। देश की अर्थव्यवस्था पर माफिया काबिज है। युद्ध के पहले तक 50 सीरियाई पौंड के बदले एक अमरीकी डॉलर मिलता था। अब एक डॉलर खरीदने के लिए 8,700 सीरियाई पौंड देने पड़ते हैं। सबसे बड़ी बात तो यह कि उन्होंने इस्लामी आईएसआईएस को बढ़ावा दिया। तभी फ्रांस, अमेरिका, योरोपीय संघ की पश्चिमी बिरादरी में कई देश वैश्विक रंगमंच पर असद को 'युद्ध अपराधीइ करार देते रहे है।

लेकिन अचानक अब दुनिया में असद को ले कर नज़रिया बदला है। इसकी शुरुआत फरवरी में सीरिया में आये भयावह भूकंप के बाद हुई। बशर अल-असद ने इस आपदा में अवसर देखा। उन्हें लगा कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उनकी वापसी का यह अच्छा मौका है। उन्होंने सभी देशों के अपील की कि भूकंप के कारण हुई बर्बादी की हकीकत में उनके देश पर लगे प्रतिबंध हटाए जाएं। कुछ देशों ने प्रतिबन्ध स्थगित किए। मध्यपूर्व के कुछ देशों ने राहत सामग्री से लदे कई हवाईजहाज़ भेजे और अपने उच्च अधिकारियों को भी हालात का जायजा लेने सीरिया भेजा।

भूकंप की बर्बादी असद के लिए अच्छे दिन लाई। सुन्नी अरब देशों कीबिरादरी ने अपनी जमात की अरब लीग बैठक में असद को न्यौता। सीरिया की अरब लीग की सदस्यता, जो 2011 में निलंबित कर दी गयी थी, 18 मई को बहाल कर दी गयी। उस दिन जब बशर अल-असद जेद्दाह पहुंचे तो उनका शानदार स्वागत हुआ। उनका चेहरा खुशी से दमक रहा था। सड़कों पर सीरिया के झंडे लहरा रहे थे। सऊदी क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान ने मुस्कुराते हुए उन्हें गले लगाया। यह निश्चित रूप से असद के लिए अनहोनी थी। शिखर बैठक में असद ने शांति पर प्रवचन दिया। उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि आज हम अरब देशों के बीच एकता के एक नए दौर की शुरुआत होगी ताकि हमारे क्षेत्र में शांति रहे, विकास हो और समृद्धि आये और हम जंग और बर्बादी से बच सकें।" उन्होंने कहा कि अरब देशों को अन्य देशों के हस्तक्षेप के बिना अपने भविष्य को स्वयं आकार देना चाहिए। मजे की बात यह है कि सीरिया स्वयं ईरान और रूस के सैन्य समर्थन पर निर्भर है!

असद की अरब देशों के कुनबे में बिना-शर्त वापसी बहुत अहम है। अरब दुनिया ने असद से अपनी दूरियां खत्म करने का निर्णय लिया है। यही कारण है कि यूएई के बाद अब सऊदी अरब ने भी सीरिया में सरकार के विरोधियों को धन और हथियार उपलब्ध करवाना बंद कर दिया है। शायद उन्हें अहसास हो गया है कि असद को सत्ता से बाहर करने का उनका दस वर्ष तक चला अभियान असफल हो गया है। फिर अरब देश यह भी चाहते कि उनके यहाँ पनाह लिए हुए सीरियाई नागरिक, जिनकी संख्या में भूकंप के बाद और वृद्धि हुई है, अपने देश वापस चले जाएं। इसके अलावा ईरान का मसला भी है। सऊदी अरब और ईरान के बीच की गहरी खाई में रिश्ता बनते हुए भी खुन्नस है। बावजूद इसके मध्यपूर्व के इन दो सबसे शक्तिशाली देशों के बीच सीरिया अब टकराव का कारण नहीं है। अरब देशों का यह भी मानना है कि यदि सीरिया को अकेला छोड़ दिया गया तो वह एक मुसीबत बन जायेगा क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था पर ड्रग माफिया का कब्ज़ा है।

असद के विरोधियों का कहना है सीरिया पर असद की पकड़ कमज़ोर है और देश के उत्तरी भाग का एक बड़ा हिस्सा उनके नियंत्रण में नहीं है। सीरिया के आसपास के देशों में शरण लिए हुए लाखों सीरियाई उनके एकदम खिलाफ हैं। एक महत्वपूर्ण मुद्दा यह भी है कि क्या अरब देशों की तर्ज पर पश्चिमी देश भी असद को गले लगायेंगे? क्या अमरीका और यूरोप, असद को एक और मौका देना चाहेंगे?

एक राष्ट्र, का फलना-फूलना

सदगुरू जग्गी वासुदेव

हम आज एक नए भारत की दहलीज पर खड़े हैं, जो दुनिया पर अपनी छाप फिर से स्थापित करने के लिए शानदार ढंग से तैयार है।

भारत वर्तमान में दुनिया भर में जो सम्मान हासिल कर रहा है, वह एक ऐसी दृष्टि से उपजा है, जो व्यापक है - न केवल राष्ट्र,श् के लिए विकास और उन्नति पर केंद्रित है, बल्कि भारत के मूल - हमारे आध्यात्मिक लोकाचार को पुनर्स्थापित करने और पुनर्जीवित करने पर भी समान रूप से केंद्रित है। मैं इन महत्वपूर्ण पहलुओं पर भारत को आगे बढ़ाने में उनके समर्पित प्रयास और नेतृत्व के लिए देश के नेताओं और माननीय प्रधानमंत्री की सराहना करता हूं।

योग की विरासत भारत समृद्ध आध्यात्मिक विरासत समेटे हुए है - एक ऐसी परंपरा जो धर्म, विश्वास, संप्रदाय या समुदायों की सीमाओं तक सीमित नहीं है। यह एक ऐसी संस्कृति है जिसने अनगिनत संतों, मुनियों और मनीषियों को जन्म दिया है जिन्होंने मानव चेतना की गहराई का पता लगाया है और योग के विज्ञान के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति को अपनी उच्चतम क्षमता खोजने के तरीके और उपाय बताए हैं। योग के महत्व और प्रभाव को विश्व स्तर पर उस हद तक समझा जा रहा है,जितना पहले कभी नहीं समझा गया, भारत को इसके स्रोत के रूप में स्वीकार किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2014 में किए गए प्रस्ताव के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र,श् द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की घोषणा होना और 177 सदस्य देशों द्वारा स्वीकार किया जाना, इस संबंध में एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम था। हर साल, यह दिन योग के लाभों को उजागर करने, इसके अभ्यास को प्रोत्साहित करने और व्यक्तियों और समुदायों के बीच स्वास्थ्य, सद्भाव और शांति को बढ़ावा देने के अवसर के रूप में कार्य करता है।

आध्यात्मिक पुनर्जागरण

अंतर्राष्ट्रीय पटल पर योग की स्थापना के अलावा, हमारी समृद्ध विरासत और संस्कृति के गौरवशाली केंद्रों के पुनरुद्धार की अगुआई में प्रधानमंत्री मोदी के बारे में जानना विशेष रूप से हृदयस्पर्शी रहा है।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की स्थापना के साथ काशी का परिवर्तन, मेगा चार धाम परियोजना जिसमें केदारनाथ और बद्रीनाथ मंदिरों का विकास शामिल है, गुजरात में प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर और उज्जैन में महाकाल मंदिर का जीर्णोद्धार ऐसे प्रयास हैं, जिनसे देश के नागरिक लाभान्वित होंगे और वैश्विक मंच पर आध्यात्मिक शिक्षा और विकास के लिए भारत एक जीवंत केंद्र के रूप में सुदृढ़ होगा।

प्रकृति के साथ तालमेल

भारतीय आध्यात्मिक परंपरा व्यक्ति और ब्रह्मांड के बीच संबंधों पर एक अनूठा दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। इन्हें अलग-अलग संस्थाओं के रूप में देखने के बजाय, परंपरा ने हमेशा सभी चीजों की परस्पर संबद्धता और अस्तित्व की मौलिक एकता पर बल दिया है। इसके परिणामस्वरूप सभी जीवन के लिए सम्मान होता है, जो सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण का आधार बन जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के दौरान कई पर्यावरणीय पहल फली-फूली हैं। 13 नदियों के कायाकल्प के लिए 19,000 करोड़ रुपये का आवंटन, कावेरी पुकारे आंदोलन का प्रभाव, भारत की आबादी के लिए जल सुरक्षा के लिए आवश्यक है। प्रदूषण को कम करने पर जोर देने के साथ गंगा को साफ करने के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम, भारत की सबसे पवित्र नदी को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता है। हम सभी को खड़े होना चाहिए और पर्यावरण को संरक्षित करने और भारत के लिए हरित भविष्य को बढ़ावा देने के लिए अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

समावेशी विकास

हमारे प्यारे भारत जैसे असंख्य पहलुओं वाले विशाल देश में, एक ऐसा विकास अनिवार्य है जो बहु-आयामी होने के साथ-साथ सर्व-समावेशी, सुलभ और टिकाऊ भी हो।

माननीय प्रधानमंत्री को आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाली पहल करने के साथ-साथ सभी के समग्र कल्याण के लिए दुनिया भर में मान्यता प्राप्त है।

एक तरफ मोदी की पहल ने भारत को डिजिटल युग में आगे बढ़ाया है, समावेशी विकास और पारदर्शी शासन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए, यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया जा रहा है कि समाज के सभी वर्गों को देश की वित्तीय वृद्धि में शामिल किया जा सके। इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास परियोजनाएं, स्वच्छ भारत अभियान जैसी सामूहिक जागरूकता परियोजनाओं का उद्देश्य देशभर में लोगों के जीवन में तेजी से बदलाव लाना है।

75 साल, राइजिंग इंडिया

यह अत्यधिक गर्व और खुशी का विषय है कि हम अपनी आजादी के 75वें वर्ष में विश्व पटल पर इतनी शानदार स्थिति में खड़े हैं। यह हमारे लिए, विशेष रूप से भारत की जी20 की अध्यक्षता वाले वर्ष में, मिट्टी की उर्वरता और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण एजेंडा में नेतृत्व करने का एक जबरदस्त अवसर है।

हम व्यक्तिगत पहलों की सफलता की गणना और चर्चा चाहे करें या ना करें। किंतु, देश की तेजी से सर्वांगीण प्रगति को नकारा नहीं जा सकता है। सर्वांगीण और त्वरित प्रगति एक नए और जीवंत भारत के दृष्टिकोण से अवश्य ही पोषित है। एक दृष्टि जिसने निस्संदेह एक अरब से अधिक लोगों को प्रभावित किया है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने देश और दुनिया भर में कई लोगों को प्रेरित किया है। एक पृथ्वी। एक परिवार। एक भविष्य।

त्वचा को ठंडक पहुंचाने के लिए आप भी रगड़ते हैं आइसक्यूब तो जान लीजिए ये जरूरी बात

गर्मियों में त्वचा का ख्याल रखना काफी जरूरी होता है. क्योंकि गर्मी और धूप का असर सबसे ज्यादा आपके चेहरे पर ही पड़ता है. ऐसे में लोग त्वचा को फ्रेश रखने के लिए बर्फ का इस्तेमाल सबसे ज्यादा करते हैं. हम, आप बहुत सारे लोगों के स्किन केयर रूटीन में चेहरे पर आइस क्यूब रब करना शामिल है. लेकिन क्या ऐसा करना सही है? क्या सच में ये चेहरे को फ्रेश रखता है इसे गर्मी के मौसम में लगाना चाहिए भी या नहीं... इस बारे में हम जानेंगे आगे के आर्टिकल में.

क्या गर्मी में आइसक्यूब लगाना सही है ?

जलन दूर करें-ब्यूटी एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर आप लंबे समय तक धूप में रहते हैं और इससे चेहरे पर जलन और रेडनेस की समस्या हो जाती है, तो ऐसे में चेहरे पर बर्फ लगाना फायदेमंद हो सकता है. इसका कूलिंग इफेक्ट इरिटेशन और जलन को कम करने में मदद करता है.

एक्ने से राहत दिलाए- गर्मियों के मौसम में ऑयली स्किन वाले लोगों को एक्ने की समस्या हो जाती है. ऐसे में एक्ने को दूर करने के लिए भी बर्फ का इस्तेमाल किया जा सकता है. आइस क्यूब लगाने से त्वचा शांत होती है. साथ ही जो तेल का उत्पादन होता है वो भी रुक जाता है. ओपन पोर्स की समस्या कम होती है और ऐसे ये मुंहासे भी दूर करने लगता है. ज्यादा फायदा के लिए आप गुलाब जल, एलोवेरा, चुकंदर से बना आइस क्यूब भी लगा सकते हैं.

ब्लड सर्कुलेशन- चेहरे पर आइस क्यूब लगाने

से त्वचा में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है. त्वचा में ऑक्सीजन के स्तर में सुधार होता है. आपकी स्किन खुलकर सांस ले पाती है और ऐसे आपकी त्वचा में निखार आता है.फाइन लाइंस- स्किन को टाइट करने और झुर्रियां और फाइन लाइंस की मौजूदगी को सीमित करके बर्फ आपकी त्वचा को जवान और हेल्दी बनाने में मदद करता है.

पफीनेस-कई बार नींद की कमी और टेंशन की वजह से आंखों के नीचे पफीनेस की समस्या हो जाती है. ऐसे में आप बर्फ का इस्तेमाल करके इसमें कमी ला सकते हैं. इसके अलावा यह डार्क सर्कल से भी छुटकारा दिलाने में भी मददगार है. आप चाहें तो कॉफी वाला आइस क्यूब बना लें ये और भी ज्यादा फायदा पहुंचा सकता है.यंग-धूप और पसीने में रहने की वजह से स्किन डल और बेजान दिखती है. ऐसे में आप चेहरे पर बर्फ लगाएंगे तो आपके चेहरे पर फ्रेशनेस आएगी.

बेशर्मी की हदें पार, महिला को निर्वस्त्र करके बीच सडक़ पीटते रहे दरिंदे

दाहोद एजेंसी। गुजरात के दाहोद जिले में कुछ लोगों ने एक आदिवासी महिला से सार्वजनिक रूप से दुर्व्यवहार किया, जिनमें उसका पति भी शामिल था। इतना ही नहीं आरोपियों ने महिला को निर्वस्त्र करके पीटा। पुलिस ने कहा कि इस मामले के संबंध में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह चौंकाने वाली घटना 28 मई की है। घटना की वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद लोगों में रोष है। हालांकि, पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों की गिरफ्तार कर लिया। एक आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 19 महीनों से महिला अपने चार बच्चों और पति से अलग रह रही थी।

महिला का पति उसके अलग रहने से परेशान था। उसने (पति ने) दो अन्य लोगों के साथ मिलकर रामपुरा गांव से महिला का अपहरण कर लिया। सुखसार पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पीड़िता को बाद में मरगला गांव ले जाया गया, जहां लोगों ने उसे पीटा। अधिकारियों ने खुलासा किया कि एक आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखने वाली महिला मेहसाणा जिले के चनस्मा में एक अन्य व्यक्ति के साथ रह रही थी, जहां वे दोनों दिहाड़ी मजदूर के रूप में जीवनयापन करते थे। उस व्यक्ति की मां ने उन्हें रामपुरा गांव में एक शादी में आमंत्रित किया था और महिला के अलग रह रहे पति को भी निमंत्रण दिया था। वहां पहुंचने पर अलग हुए पति ने चार पहिया वाहन में पुरुषों के एक समूह के साथ महिला और उसके साथी का अपहरण कर लिया और उन्हें मारगला गांव ले गए। मामले की अभी जांच चल रही है।

कनाडा में वॉकवे गिरने से 17 बच्चे और एक व्यक्ति घायल

ओटावा, एजेंसी। मध्य कनाडा में वॉकवे के गिरने से 17 बच्चे और एक व्यक्ति घायल हो गया। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। दुर्घटना बुधवार को विन्निपेग के सेंट बोनिफेस इलाके में फोर्ट जिब्राल्टर में उस समय हुई जब सेंट जॉन्स-रेवेन्सकोर्ट स्कूल के 10-11 साल के बच्चे फील्ड ट्रिप पर थे।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टरें में कहा गया है कि कुछ बच्चे 5 मीटर ऊंचे वॉकवे से सीधे गिर गए और अन्य फिसल गए। जिनमें से घायल तीन बच्चों को अस्पताल ले जाया गया, जबकि बाकी की हालत स्थिर है।

विन्निपेग शहर के एक प्रवक्ता ने मामले की जांच की जा रही है। आगे कहा कि हमारे रिकॉर्ड की एक शुरुआती खोज से पता चलता है कि साल 2004 और 2013 में एलिवेटेड वॉकवे की मरम्मत की गई थी। हमें अपने रिकॉर्ड की प्रारंभिक खोज के आधार पर संपत्ति से संबंधित कोई शिकायत नहीं मिली है

यूक्रेन के अनाज और तिलहन के निर्यात में एक तिहाई गिरावट आने की संभावना

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के कृषि और खाद्य मंत्री मायकोला सोल्स्की ने कहा है कि रूस के हमले के बीच अनाज और तिलहन के निर्यात में इस साल एक तिहाई की गिरावट आने की संभावना है। सोल्स्की ने कहा कि यूक्रेन 2023 में विदेशों में लगभग 46 मिलियन टन अनाज और तिलहन की आपूर्ति करेगा।

अकेले यूक्रेन के अनाज निर्यात में इस साल 40 फीसदी की कमी आएगी।

यूक्रेन से खाद्य पदार्थों के निर्यात के लिए सोलस्की ने ब्लैक सी ग्रेन कॉरिडोर में व्यवधान और कुछ यूरोपीय देशों द्वारा यूक्रेन से कृषि आयात पर प्रतिबंध लगाए जाने को मुख्य चुनौती बताया।

'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत भारत की प्राथमिकताओं में है नेपाल

विदेश सचिव बोले- दोनों देशों की पारंपरा एक समान

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने गुरुवार को कहा कि भारत की पड़ोस प्रथम नीति में पड़ोसी देश नेपाल का विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि नेपाल के साथ भारत का संबंध बहुत गहरा है और दोनों देशों के लोगों के बीच अच्छे संबंध हैं। विदेश सचिव ने नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' की भारत यात्रा पर एक विशेष ब्रीफिंग के दौरान यह बात कही।

उन्होंने कहा, "भारत अपनी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत नेपाल का खास ध्यान रखता है। नेपाल के साथ हमारा संबंध अद्वितीय है और खुली सीमाओं एवं सभ्यतागत संबंधों के कारण हमारा साझा सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा एक जैसा ही है, जो दोनों देशों की रिश्तेदारी सहित लोगों से लोगों के बीच मजबूत संबंधों को प्रकट करते हैं।" मालूम हो कि पिछले साल दिसंबर में पदभार ग्रहण करने के बाद नेपाली पीएम चार दिनों के लिए भारत दौरे पर हैं।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री के बीच द्विपक्षीय वार्ता संपन्न हुई। भारत की पड़ोसी देश की नीति के तहत नेपाल का भारत के लिए विशेष स्थान है। दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही चर्चाओं और परिणामों में राजनीतिक, आर्थिक, व्यापार, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचा सहयोग और विकास साझेदारी सहित द्विपक्षीय सहयोग के पूरे मामलों को भी शामिल किया गया है।

विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि दो नेताओं के बीच व्यापक और भविष्य को लेकर चर्चा हुई। विद्युत क्षेत्र में भारत और नेपाल ने पिछले साल अप्रैल में जॉइंट विजन स्टेटमेंट जारी किया था, आज बातचीत के दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों ने बिजली क्षेत्र में ग्रोथ की सराहना की। अगले 10 वर्षों में बिजली की मात्रा बढ़ाकर 10,000 मेगावाट करने को लेकर चर्चा हुई।

मालूम हो कि नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नेपाल आने का निमंत्रण दिया है। पीएम 'प्रचंड' ने कहा, "मैंने प्रधानमंत्री मोदी को नेपाल आने का आमंत्रण दिया है, मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी जल्द नेपाल का दौरा करेंगे।" नेपाली पीएम ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारत और नेपाल के बीच संबंध "पुराने और बहुआयामी" हैं।

पेड़ से टकराने के बाद कार में लगी आग, चार लोग जिंदा जले

हरदा,एजेंसी। जिले के टिमरनी थाना क्षेत्र के ग्राम नौसर के पास गत दिवस पेड़ से टकराने के बाद एक कार में आग लग गई। इस हादसे में कार में सवार दो सगे भाई, भाभी सहित चार लोगों की जलने से मौत हो गई। टिमरनी एसडीओ आकांक्षा तलया ने बताया कि ग्राम बरकला चारखेड़ा निवासी अखिलेश पिता महेश कुशवाहा, उनका बड़ा भाई राकेश कुशवाहा, राकेश की पत्नी शिवानी कुशवाहा और आदर्श पिता गोलू चौधरी सीहोर जिले के दीपगांव से कार क्रमांक एमपी 09 जेएन 2524 से अपने गांव बरकला लौट रहे थे, तभी कार एक पेड़ से टकराई। इसके बाद उसमें आग लग गई। चारों को कार से बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और जलने से उनकी मौत हो गई। अखिलेश और आदर्श विवाह समारोह में फोटोग्राफी करते थे।

ईरान-तुर्कमेनिस्तान ने पांच सहयोग दस्तावेजों पर किए हस्ताक्षर

तेहरान , एजेंसी। ईरान और तुर्कमेनिस्तान ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए पांच दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए हैं। तेहरान में ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी और तुर्कमेनिस्तान की पीपुल्स काउंसिल के अध्यक्ष गुरबांगुली बर्दिमुहामेदोव की उपस्थिति में दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए थे।

वे परिवहन, अंतर्राष्ट्रीय गलियारों के निर्माण, ऊर्जा और बिजली के आदान-प्रदान, कृषि, शिक्षा और निवेश के क्षेत्र में सहयोग पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हस्ताक्षर समारोह के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में रायसी ने कहा कि इन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना दोनों देशों के ध्द संकल्प और द्विपक्षीय राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों का विस्तार करने की इच्छा को दर्शाता है।

रायसी ने जल, बिजली और परिवहन क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने और कृषि क्षेत्र में तकनीकी तथा इंजीनियरिंग सेवाओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि ईरान और तुर्कमेनिस्तान ने शंघाई सहयोग संगठन जैसे क्षेत्रीय और अंतर-क्षेत्रीय संगठनों में सहयोग बढ़ाने का भी फैसला किया है।

बर्दिमुहामेदोव ने कहा कि ईरान और तुर्कमेनिस्तान के बीच दोस्ताना और भाईचारा संबंध सदियों पुराने हैं, तुर्कमेनिस्तान ऐसे संबंधों को बढ़ाने के लिए काम करेगा। साथ ही मंगलवार को ईरानी तेल मंत्री जवाद ओवजी ने कहा कि ईरान जल्द ही तुर्कमेनिस्तान के साथ प्रति दिन एक करोड़ क्यूबिक मीटर गैस आयात करने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करेगा, जो 21 जून से पहले शुरू होगा।एक उच्च पदस्थ प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए बर्दिमुहामेदोव मंगलवार को ईरान पहुंचे।

पहलवानों की जाति तिरंगा, इन्हें बांटा न जाए, टिकैत ने बताया आगे का प्लान

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। मुजफ्फरनगर के सोरम में आयोजित सर्वखाप की पंचायत में पहुंचे राकेश टिकैत ने कहा कि पहलवानों को हताश होने की आवश्यकता नहीं है। हम लड़ाई लड़ेंगे और जीतेंगे भी। पहलवानों की लड़ाई लड़ी जाएगी और सर्व समाज लड़ेगा।

पंचायत में एलान किया गया कि खाप चौधरियों का प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति और गृहमंत्री से मुलाकात करेगा। पहलवानों को इंसाफ मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। सोरम में आए विभिन्न राज्यों के खाप प्रतिनिधियों ने अपना फैसला सुरक्षित कर लिया है और दो जून को कुरुक्षेत्र में होने वाली पंचायत में सुनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि संत महात्मा हमारे साथ हैं। अगर आरोपियों के पक्ष में यात्रा निकलेगी तो हमारी भी यात्रा निकलेगी। ट्रैक्टर तैयार हैं। पहलवानों के लिए देशभर में जाकर बैठक की जाएगी। सरकार ने सहारनपुर में गुर्जर और ठाकुर समाज को लड़ाने की चाल चली है। दोनों समाज के लोग एक हो जाएं। सरकार की चाल को समझें। योद्धा किसी बिरादरी के नहीं होते। योद्धा सर्व समाज के होते हैं। चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि राष्ट्रपति से मिलेंगे। पहलवानों की पहचान तिरंगा है।भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि समाधान तक संघर्ष किया जाएगा। बिरादरी को शादी विवाह तक सीमित रखें, समाज के लिए संघर्ष करें। वहीं, इस दौरान त्यागी, ब्राह्मण, भूमिहार समाज के अध्यक्ष मांगेराम त्यागी ने दिल्ली के डीजीपी को जमकर निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि डीजीपी अपनी मर्यादा भूल गए हैं। जिस दिन अपने बच्चों के सिर पर पैर रखेंगे उस दिन पता चलेगा। बता दें कि हरियाणा के पहलवानों के सम्मान की लड़ाई के लिए अब सर्वखाप एकजुट हो गई है।

गहलोत की घोषणा पर बोली भाजपा, ध्यान भटकाने के लिए कर रहें झूठी घोषणाएं

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार पर जंगलराज का आरोप लगाते हुए भाजपा ने राजनीतिक हमला तेज कर दिया है। अशोक गहलोत ने राजस्थान में बीती देर रात को बिजली बिलों में मिलने वाली स्लैबवार छूट में बड़ा बदलाव करते हुए जनता को राहत देने की घोषणा की। लेकिन भाजपा ने सीएम गहलोत को स्टेयरिंग फ्री मुख्यमंत्री बताते हुए आरोप लगाया कि महिला अत्याचार, जंगलराज, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण से ध्यान भटकाने के लिए अशोक गहलोत झूठी घोषणाएं कर रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह ने मुख्यमंत्री गहलोत पर आरोप लगाते हुए ट्वीट कर कहा, राजस्थान मे आजकल स्टेयरिंग फ्री मुख्यमंत्री काम कर रहे है, जो रोज महिला अत्याचार, जंगलराज, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण से ध्यान भटकाने के लिए झूंठी घोषणाएं कर रहे हैं।

अनुराग ठाकुर ने पहलवानों से की अपील, कहा

आपको पुलिस, सुप्रीम कोर्ट, खेल विभाग, किसी पर तो भरोसा करना पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जनवरी महीने में इन्होंने बात उठाई। अगले दिन मैं उनसे मिला। उनकी मांग कमेटी गठित करने की थी। उन्होंने एक और मेंबर एड करने के लिए कहा हमने वो भी कर दिया। कमेटी ने 14 मीटिंग कर ली और खिलाड़ियों की पूरी बाते सुनी।

मुंबई में पहलवानों के विरोध पर केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पुलिस की जांच चल रही है। हम भी चाहते हैं कि न्याय मिले। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि निष्पक्ष जांच की जाएगी और उचित कार्रवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली पुलिस ने कहा हम एफआईआर दर्ज करेंगे और ये भी दर्ज हो गया। जो-जो हमारे रेसलर्स ने कहा हमने उनकी बातें सुनी और उस पर कार्रवाई हुई। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जब पुलिस जांच कर रही है तो इस प्रक्रिया को पूरे होने देना चाहिए की नहीं। कानून भी यही कहता है कि जांच हो और चार्जशीट फाइल हो। उसके बाद आगे की कार्यवाही हो। जो कानून कहता है उसके अनुसार हम कार्यवाही कर रहे हैं। आपको पुलिस, सुप्रीम कोर्ट, खेल विभाग, किसी पर तो भरोसा करना पड़ेगा।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि जनवरी महीने में इन्होंने बात उठाई। अगले दिन मैं उनसे मिला। उनकी मांग कमेटी गठित करने की थी। उन्होंने एक और मेंबर एड करने के लिए कहा हमने वो भी कर दिया। कमेटी ने 14 मीटिंग कर ली और खिलाड़ियों की पूरी बाते सुनी। अपनी रिपोर्ट देने के बाद डिपार्टमेंट ने उनका अध्ययन किया तो हमने इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन को कहा कि आप एक कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेटर बनाए। जिससे रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की डे टू डे एक्टिविटी वो करे और रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की डे टू डे एक्टिविटी हमने बंद कर दी। अब रेसलिंग फेडरेशन का कोई भी पदाधिकारी अपने पद पर रहकर काम नहीं कर रहा।

कॉमनवेल्थ गेम्स में 61 मैडल जिसमें 22 गोल्ड शामिल है। अभी भी महिला विश्व कप बॉक्सिंग चैंपियनशिप में चार गोल्ड मेडल भारत की महिलाओं ने जीते हैं। सरकार ने लगातार खिलाड़ियों के लिए बजट भी बढ़ाया और सुविधाएं भी बढ़ाई। प्रशिक्षण भी बढ़ाया। कांग्रेस के समय मात्रा 400-500 करोड़ के प्रोजेक्ट चल रहे थे। आज 2700 करोड़ से ज्यादा के नए इंफ्रास्ट्रक्चर बन रहे हैं। एक हजार खेलो इंडिया सेंटर बन रहे हैं। 23 सेंटर नेशनल ऑफ एक्सिलेंस हमने बनाकर दिए। कई सारे ट्रेनिंग सेंटर चल रहे हैं। बजट भी 874 करोड़ से बढ़ाकर 2782 करोड़ कर दिया है। खिलाड़ियों को जितना मान सम्मान मोदी जी की सरकार ने दिया वो शायद उतना पहले कभी ना मिला हो।

राहुल गांधी के अमेरिका में बयान पर भारत में सियासी बवाल

अनुराग ठाकुर बोले-विदेश यात्रा में भारत का अपमान करना इनकी आदत

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी छह दिन के अमेरिकी दौरे पर हैं, जहां वह अलग-अलग समारोहों को लेकर संबोधित करेंगे। वहीं उनके कुछबयानों को लेकर सियासी बवाल मच गया है। सैन फ्रांसिस्को में उन्होंने भारतीयों से मुलाकात की और उन्हें संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि उन्हें सब के बारे में सब कुछ पता है। मोदी जी भगवान को भी ब्रह्मांड के बारे में समझा सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि मुझे लगता है कि नया संसद भवन का उद्घाटन असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए है। बेरोजगारी, महंगाई, नफरत, शिक्षा संस्थानों में कमी जैसे मुद्दों पर बीजेपी चर्चा नहीं चाहती है. इसलिए इन सब मुद्दों को आगे किया जा रहा है।उन्होंने एजेंसियों के दुरुपयोग केबीच भारत में अब राजनीति करना आसान नहीं रह गया।ऐसे में हमने भारत जोड़ो यात्रा करने का फैसला किया। उधर, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने अमेरिका में दिए गए राहुल गांधी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि हर विदेश यात्रा में भारत का अपमान करना राहुल गांधी की आदत बन चुकी है और यह प्रायोजित यात्रा भी उसी ओर बढ़ रही है।

उन्होंने एक बयान जारी कर कहा कि राहुल गांधी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपमान करना चाहते हैं परंतु देश का अपमान करने से भी पीछे नहीं हटते। राहुल पर हमला जारी रखते हुए ठाकुर ने कहा कि इनके समय में (यूपीए सरकार के दौरान) भारत दुनिया की लडखड़ाती चरमराती अर्थव्यवस्थाओं में आता था, लेकिन आज पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। इनके समय में हिंदुस्तान की परंपराओं का गला घोंटा जाता था और यह हर बात के लिए पश्चिमी संस्कृति की ओर देखते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संस्कृति, सभ्यता और गौरवपूर्ण इतिहास के पुनर्जागरण का कार्य किया है। कांग्रेस की मानसिकता गुलामी की मानसिकता है और ये हमेशा से भारत और भारतीयता को बदनाम करते आए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी के पहले के बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि अगर आप उनके पूर्व के बयानों को देखेंगे तो राहुल गांधी भारत को देश ही नहीं मानते बल्कि राज्यों का संघ मानते हैं।

इंडियन एयर फोर्स का ट्रेनी विमान क्रैश, पैराशूट ने बचाई दोनों पायलटों की जान

बेंगलुरू (आरएनएस)। कर्नाटक के चामराजनगर से बड़ी खबर सामने आ रही है।यहां भारतीय वायुसेना का ट्रेनी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस विमान में दो पायलट सवार थे, जो सुरक्षित हैं। दोनों में एक महिला पायलट है।भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी का कहना है कि दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चला है, इसलिए जानकारी जुटाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए गए हैं। हादसे के वक्त अगर दोनों पायलट पैराशूट से न उतरते तो दोनों की मौत हो सकती थी।

प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर जान दी

नरैनी ,(एजेंसी)। प्रेम-प्रसंग के चलते प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उनके शव रस्सी पर अलग-अलग लटक रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रेमी युगल के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताते हैं कि स्वजातीय होने के बावजूद प्रेमी युगल के परिजन रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए तैयार नहीं थे। इसी के चलते प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।

घटना नरैनी कोतवाली क्षेत्र के नेढ़ुवा (बड़ैछा) गांव की है। वहां रहने वाले विकास (21) पुत्र गुलाब राजपूत और नजदीक ही रहने वाली सजातीय ऊषा (19) पुत्री अयोध्या राजपूत के बीच काफी समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। उनके इस प्रेम प्रसंग की जानकारी दोनो पक्षों के परिजनों को होना बताई जा रही है। अलबत्ता सजातीय होने के बावजूद इस रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए दोनो पक्षों के लोग राजी नहीं थी। इसी के चलते प्रेमी युगल ने दुनिया से जुदा होने की ठान ली। मंगलवार की शाम को सबकी नजर बचाकर प्रेमील युगल बड़ैछा गांव के समीप ही एक बबूल के पेड़ में एक ही रस्सी के दो फंदे बनाए।

पैसे के अभाव में किसी की पढ़ाई नहीं रुकेगी : ममता बनर्जी

कोलकाता ,(एजेंसी)। पैसे की कमी किसी की भी शिक्षा बाधित नहीं हो या किया जाए। उक्त बात निर्देश आज राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक कार्यक्रम में बोलते हुए दिया। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रात्य बोस को निर्देश के सामने उक्त बातें कही। सीएम ने साथ ही शिक्षा विभाग में एक ऐसा लेटर बॉक्स रखने का आदेश दिया जिसके तहत राज्य के छात्र-छात्राएं अपनी पढ़ाई से जुड़ी आर्थिक समस्याओं की रिपोर्ट कर सकते हैं। इस संबंध में ममता ने खुद राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रात्य बोस से कहा, पैसे की कमी किसी की शिक्षा को बाधित नहीं हो। जितने भी पत्र यहां जमा होंगे, उनमें से एक-एक को देखना होगा और उनके सम्बंध में त्वरित निर्णय लेना होगा। आज महानगर कोलकाता के विश्व बांग्ला मेला मैदान में राज्य की 2023 की मुख्य धारा की परीक्षाएं में उत्तीर्ण हुए छात्रों को सम्मानित करने के लिए एक समारोह आयोजित किया गया। वहां माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, आईएसई, आईसीएसई परीक्षा के परीक्षार्थी व उनके अभिभावक आए थे। उत्तीर्ण होने वालों ममता सरकार की ओर से एक बैग भेंट किया गया। उस बैग में किताबें, लैपटॉप, घडिय़ां, सर्टिफिकेट, मेडल और कई अन्य उपहार थे। सीएम ममता ने उस अवसर पर स्टूडेंट्स क्रेडिट कार्ड मोबाइल ऐप का भी उद्घाटन किया। ऐप जिसके माध्यम से छात्र सरकारी शिक्षा ऋण के साथ उच्च शिक्षा सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। लेकिन उसके बाद, ममता ने कहा, उन्हें अभी भी यह कहते हुए पत्र मिल रहे हैं कि वह आर्थिक रूप से अध्ययन करने में सक्षम नहीं हैं।

माकपा के पूर्व सांसद लक्ष्मण सेठ ने 78 साल की उम्र में की दूसरी शादी

कोलकाता ,(एजेंसी)। माकपा के पूर्व सांसद लक्ष्मण सेठ ने 78 साल की उम्र में दूसरी बार फिर शादी की है। साल 2016 में उनकी पहली पत्नी तमालिका पांडा सेठ की मौत हो गई थी। पहली पत्नी के साथ लक्ष्मण सेठ के 2 बच्चे हैं। ऐसे में राज्य भर में हर तरफ इस शादी और उनकी जीवनसंगिनी की चर्चा हो रही है। सेठ ने कोलकाता की रहने वाली मानसी डे से शादी की है। जो एक फाइव स्टार होटल में बड़े पद पर जिम्मेदारी संभाल रही हैं। दोनों की मुलाकात और परिचय उनके कॉमन फ्रेंड ने परिचय करवाया था। समय के बीतने के साथ-साथ दोनों का संबंध मजबूत होते चला गया, जो आखिर में शादी के पवित्र बंधन तक पहुंच गया।हाल ही में कोलकाता में आयोजित एक घरेलू समारोह में दोनों ने एक दूसरे को वरमाला पहनाकर शादी के बंधन में बंधने का संकल्प पूरा किया।

विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना को मोदी कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। सरकार ने सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना को मंजूरी दे दी। मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के मेल से सहकारिता के क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के लिए एक अंतर-मंत्रालयीय समिति (आईएमसी) के गठन और सशक्तिकरण को मंजूरी प्रदान की। योजना का 'प्रोफेशनलइ तरीके से समयबद्ध और एकरूपता के साथ कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सहकारिता मंत्रालय देश के विभिन्न राज्यों में कम से कम 10 चुने हुए जिलों में एक पायलट परियोजना चलाएगा। यह पायलट प्रोजेक्ट, इस योजना की विभिन्न क्षेत्रीय आवश्यकताओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करेगा जिसे इस योजना के देशव्यापी कार्यान्वयन में शामिल किया जाएगा।

मंजूर व्यय और निर्धारित लक्ष्यों के भीतर चुने गए 'वायबलइ प्राथमिक कृषि क्रेडिट समितियों (पीएसीएस) में कृषि और संबंधित उद्देश्यों के लिए गोदाम आदि के निर्माण के माध्यम से 'सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना' के लिए संबंधित मंत्रालयों की योजनाओं के दिशानिर्देशों/कार्यान्वयन पद्धतियों में आवश्यकता के अनुसार संशोधन करने के लिए सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में अंतर-मंत्रालयीय समिति (आईएमसी) का गठन किया जाएगा जिसमें कृषि और किसान कल्याण मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री और संबंधित मंत्रालयों के सचिव, सदस्य के रूप में शामिल होंगे।

इस योजना को संबंधित मंत्रालयों की चिह्नित योजनाओं के तहत उपलब्ध कराए गए परिव्यय का उपयोग कर कार्यान्वित किया जाएगा। इस योजना के तहत कन्वर्जेंस के लिए निम्नलिखित योजनाएं चिह्नित की गई हैं: मौजूदा योजना बहुआयामी है- यह न केवल पैक्स के स्तर पर गोदामों के निर्माण द्वारा देश में भंडारण के इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमियों को दूर करेगी बल्कि पैक्स को कई अन्य गतिविधियां करने के लिए भी सक्षम बनाएगी, जैसेः राज्य एजेंसियों/भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के लिए प्रोक्योरमेंट सेंटर्स के रूप में कार्य करना; उचित दर दुकानों (एफपीएस) के रूप में सेवा प्रदान करना; कस्टम हायरिंग सेंटर्स स्थापित करना; कॉमन प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करना जिसमें कृषि उपजों की जांच, छंटाई, ग्रेडिंग इकाई, आदि शामिल हैं। इसके अलावा, स्थानीय स्तर पर विकेंद्रीकृत भंडारण क्षमता बनने से खाद्यान्न की बर्बादी कम होगी और देश में खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी। किसानों को विभिन्न विकल्प प्रदान करके फसलों की बहुत कम मूल्य पर आकस्मिक बिक्री रुकेगी और किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त हो सकेगा।

अश्विन जैसी कैरम–बॉल सीखना चाहते हैं मर्फी

लंकाशर । ऑस्ट्रेलिया के युवा ऑफ–स्पिनर टॉड मर्फी ने सात जून से होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले भारतीय दिग्गज रविचंद्रन अश्विन की तरह ह्यकैरम–बॉलह्ल पर महारत हासिल करने की इच्छा जताई है।

मर्फी ने फरवरी–मार्च में भारतीय सरज़मीन अपना अपना टेस्ट पदार्पण करते हुए चार मैचों में 14 विकेट चटकाये थे। उस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को भले ही हार मिली थी लेकिन मर्फी को उनके प्रदर्शन के आधार पर डब्ल्यूटीसी फाइनल और एशेज़ टेस्ट शृंखला की स्चड में जगह दी गयी है।

मर्फी ने अपनी तैयारियों पर कहा, मैं अभी भी उस (कैरम बॉल) पर काम कर रहा हूं, लेकिन अश्विन की तरह इसे करने में अभी लंबा सफर तय करना है। यह एक तरह से आसान है, और मुश्किल भी। आपको बस भरोसा रखने की जरूरत है कि आप इसे कर सकते हैं। मैं एक दिन अपने कौशल में इसे जोडऩा पसंद करूंगा।

मर्फी हालांकि टेस्ट क्रिकेट की आवश्यकताओं को समझते हैं और नयी–नयी कलाएं सीखने के बावजूद ऑफ–स्पिन को ही अपनी मजबूती रखना चाहते हैं।

मर्फी ने कहा, आप हमेशा अपनी तरकश में नया तीर जोडऩे की कोशिश में रहते हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आपकी मूल चीजें अच्छी रहें और आपकी स्टॉक गेंद उतनी अच्छी स्थिति में हो जितनी आप कर सकते हैं।

मर्फी को भारत दौरे पर यहां की पिचों को ध्यान में रखकर लाया गया था, जो स्पिनरों के लिये मददगार साबित हुई हैं। मर्फी ने बताया कि अपने वरिष्ठ नेथन लायन से गुर सीखने के अलावा उन्होंने अश्विन को भी बहुत बारीकी से देखकर अपनी गेंदबाजी में सुधार किया।

मर्फी ने कहा, विश्लेषण की सबसे अच्छी बात यही है कि आप सब देख सकते हैं। मैं उनके हाथ और कलाई की स्थिति को करीब से देखने में दिलचस्पी रखता था, बस यह समझने के लिये कि हर गेंद कैसे बाहर आ रही थी और कैसे व्यवहार कर रही थी।

उन्होंने कहा, उन परिस्थितियों में उनका कौशल अद्वितीय है। यह आश्चर्यजनक था कि वह अपने पूरे ओवरों में गेंदबाजी में कैसे विविधता ला सकते हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया को सात जून से लंदन के द ओवल मैदान पर होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में एक–दूसरे का सामना करना है। अनुभवी स्पिनर नेथन लायन के होते हुए मर्फी को इस मुकाबले में जगह मिलना मुश्किल है, लेकिन उन्होंने कहा है कि वह मौका मिलने तक अपने कौशल में लगातार सुधार करते रहेंगे।

मर्फी ने कहा, जाहिर है इस समय ह्यगैज़ाह्ल (लायन) हैं और इतने लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। एक तरह से मुझे उम्मीद है कि मुझे इस दौरे पर कोई मैच नहीं खेलने को मिलेगा, क्योंकि इसका अर्थ होगा कि वह फिट रहेंगे।

उन्होंने कहा, उम्मीद है कि मैं कड़ी मेहनत कर सकता हूं और अपना कौशल विकसित कर सकता हूं। अगर कोई अवसर आता है तो मुझे यह सुनिश्चित करना होगा कि मैं इसे लेने के लिये तैयार हूं। मुझे हर समय तैयार रहना होगा। बहुत सी चीजें बदल सकती हैं और वे तेजी से बदल सकती हैं।

कोरिया को रौंदकर फाइनल में पहुंचा भारत

सलालाह भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने जूनियर एशिया कप 2023 के सेमीफाइनल में कोरिया को 9–1 से रौंदकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बना ली। एशियाई टूर्नामेंट के हर मैच में अपना वर्चस्व कायम करने वाली भारतीय टीम के लिये सेमीफाइनल में सुनीत लाकड़ा, अरिजीत सिंह हुंदल, अंगद बीर सिंह, उत्तम सिंह, विष्णुकांत सिंह और शारदानंद तिवारी ने एक–एक गोल किया, जबकि बॉबी सिंह धामी ने तीन गोल दागकर जीत में बहूमूल्य योगदान दिया।

इस दमदार जीत के बाद गत चैंपियन भारत जूनियर एशिया कप के फाइनल में पहुंच गया है, जहां उसका सामना मलेशिया या पाकिस्तान में से किसी एक से होगा।इस मैच में भारत का प्रदर्शन दो अर्द्धों में बंटा रहा। पहले अर्द्ध में जहां भारत ने सचेत हॉकी खेली, वहीं दूसरे हाफ में बॉबी सिंह की अगुवाई में भारतीय युवाओं का आक्रामक रूप देखने को मिला। शुरुआती चर्टर में चौकस हॉकी खेलते हुए भारत ने 10वें मिनट में पहला मौका बनाया। बार–बार कोरियाई सर्किल भेदने वाली भारतीय टीम को पहली सफलता 13वें मिनट में सुनीत के गोल से मिली।

दूसरे चर्टर में भी भारत ने गेंद पर अधिकतर समय कब्जा रखा, हालांकि 19वें मिनट में अरिजीत के गोल के अलावा हाफ टाइम तक कोई खिलाड़ी गेंद को नेट में नहीं पहुंचा सका। भारत ने आधा मैच गुज़रने तक 2–0 की बढ़त बना ली थी लेकिन उसे इस बढ़त को सुरक्षित करना ज़रूरी था। बॉबी सिंह ने तीसरे चर्टर के पहले ही मिनट में गोल दागकर यह काम शुरू कर दिया।

उन्होंने कोरियाई अर्द्ध में विपक्षी टीम के डिफेंडर से गेंद छीनी और गोलकीपर को अकेला पाकर गोल कर दिया। इसके तीन ही मिनट बाद अंगद बीर सिंह ने भी एक दर्शनीय ड्रैग शॉट खेलकर भारत की बढ़त चौगुनी कर दी। कोरिया ने 35वें मिनट में प्रहार करके वापसी की कोशिश की लेकिन शशिकुमार ने शानदार बचाव के साथ उसे खाता खोलने का मौका नहीं दिया।

शशि ने 37वें मिनट में भी कोरिया का एक बेहतरीन प्रयास रोका, लेकिन पिच की दूसरी तरफ गोल की बारिश होती रही। कप्तान उत्तम सिंह ने 38वें मिनट में कोरिया के तीन डिफेंडरों और गोलकीपर को छकाकर भारत का पांचवां गोल किया, जबकि धामी ने रिवर्स शॉट खेलकर 39वें मिनट में अपना दूसरा और भारत का छठा गोल जमाया।

कोरिया ने 46वें मिनट में केन्योल हुआंग के गोल से अपना खाता खोला, हालांकि यह उसे फाइनल में पहुंचाने के लिये पर्याप्त नहीं था। विष्णुकांत ने 51वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत की बढ़त 7–1 पर पहुंचा दी। कोरिया की हार यूं भी सुनिश्चित हो चुकी थी, लेकिन बॉबी सिंह धामी ने 55वें मिनट में अपनी हैट्रिक पूरी की। शारदानंद (57वां मिनट) ने मैच के आखिरी क्षणों में गोल दागकर सेमीफाइनल का ज़ोरदार अंत किया।तीन बार की एशियाई चैंपियन भारतीय टीम अपने चौथे खिताब की तलाश में एक जून को फाइनल खेलेगी। इससे पहले 2015 के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 6–2 से हराकर खिताब जीता था।

मनु भाकर, सरबजोत सिंह ने जीते स्वर्ण, पंजाब यूनिवर्सिटी शीर्ष पर

गौतम बुद्ध नगर ,। ओलंपियन मनू भाकर और अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज सरबजोत शूटिंग सिंह ने मंगलवार को यहां खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम का स्वर्ण पदक जीत लिया। पंजाब यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व कर रहे मनू और सरबजोत ने फाइनल में दिल्ली विश्वविद्यालय के वरुण दुबे और विभूति भाटिया पर 16–2 से जीत दर्ज की। पंजाबी यूनिवर्सिटी के प्रदीप कौर सिद्धू और अमनप्रीत सिंह ने महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के हर्षदीप सिंह गिल और शिखा नरवाल को 16–14 से हराकर कांस्य पदक जीता।दूसरी ओर, स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में पंजाब यूनिवर्सिटी की परिनाज धालीवाल और प्रभ प्रताप एस चहल ने पंजाबी यूनिवर्सिटी की जोड़ी असीस छिना और सुखबीर एस हरिका को 31–29 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के अर्जुन ठाकुर और शिवानी रायकवार ने अपनी टीम के साथियों गुरनिहाल एस गरचा और काजल सिंह बघेल को 32–22 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।निशानेबाज़ों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पंजाब यूनिवर्सिटी पहली बार पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। गुरु नानक देव विश्वविद्यालय तालिका में दूसरे स्थान पर है, जबकि सोमवार को शीर्ष पर पहुंचा जैन विश्वविद्यालय दो पायदान गिरकर तीसरे स्थान पर आ गया है।इसी बीच, जीबी विश्वविद्यालय में आयोजित भारोत्तोलन प्रतियोगिताओं में संत बाबा भाग सिंह विश्वविद्यालय की उषा ने महिला 55 किग्रा वर्ग में कुल 181 किलोग्राम (स्नैच 80 किग्रा; क्लीन एंड जर्क 101 किलोग्राम) भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि मद्रास विश्वविद्यालय की टी एम कीर्तन (59 किग्रा वर्ग) ने कुल 178 किग्रा (स्नैच 82 किग्रा; क्लीन एंड जर्क 96 किग्रा) भार उठाकर सोना हासिल किया।पुरुषों की 67 किलोग्राम श्रेणी में शिवाजी विश्वविद्यालय के तेजस दत्ताराय जोंधले ने कुल 258 किलोग्राम भार (स्नैच 118 किग्रा; क्लीन एंड जर्क 140 किग्रा) के साथ स्वर्ण पदक जीता।

काव्यात्री बहिनबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय के किरण रवींद्र मराठे ने 73 किग्रा वर्ग में स्वर्ण हासिल किया। मुक्केबाजी में मां शाकंभरी विश्वविद्यालय ने 66–70 किलोग्राम और 75–81 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में अपनी जगह बनाई, जो दो जून 2023 को एसवीएसपी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया जायेगा।

शतरंज की दुनिया का अग्रणी देश बनने वाला है भारत : कार्लसन

नयी दिल्ली । पांच बार के विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन ने देश से उभरती प्रतिभाओं की सराहना करते हुए कहा है कि भारत जल्द ही शतरंज की दुनिया का अग्रणी देश बनने वाला है।

कार्लसन ने ग्लोबल चेस लीग (जीसीएल) की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा, मुझे लगता है कि भारत में अभी बहुत कुछ सही हो रहा है। यह दुनिया का अग्रणी शतरंज देश बनने वाला है, कुछ ही समय की बात है।

कार्लसन को 21 जून से दो जुलाई के बीच दुबई में होने वाले जीसीएल के लिये ह्यआइकन खिलाड़ीह्ल चुना गया है। यह आयोजन टेक महिंद्रा और अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के तत्वावधान में किया जा रहा है। जीसीएल अपने तरह की पहली शतरंज लीग है जहां दुनिया भर के सितारे छह अलग–अलग टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कार्लसन ने जीसीएल के बारे में कहा, इसका (जीसीएल) हिस्सा बनना मेरे लिये एक रोमांचक अवसर है। ऐसा कुछ पहले बोर्ड पर नहीं किया गया है। मैं इस प्रारूप के भविष्य को देखने के लिये उत्साहित हूं।

उन्होंने कहा, मैं भारतीय खिलाडिय़ों की रोमांचक युवा पीढ़ी के साथ और उनके खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिये उत्सुक हूं। इस टूर्नामेंट के बारे में वास्तव में अच्छी चीजों में से एक यह है कि पुरुष और महिलाएं एक ही मंच पर एक दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

लीग में छह टीमें डबल राउंड–रॉबिन प्रारूप में कुल 10–10 मैच खेलेंगी। लीग चरण के समापन के बाद शीर्ष दो टीमें दो जुलाई, 2023 को फाइनल के लिये चलीफाई करेंगी और विजेता को विश्व चैंपियन फ्रेंचाइजी टीम का ताज पहनाया जाएगा।

एक भी आरोप साबित हुये तो फांसी के लिये भी तैयारः ब्रजभूषण

बाराबंकी । यौन उत्पीडऩ के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद ब्रजभूषण सिंह ने कहा कि उन पर लगाये गये आरोपों में अगर एक भी सिद्ध होता है तो वे फांसी के लिये भी तैयार हैं।

एक दिवसीय दौरे पर यहां आये सिंह ने रामनगर विधान सभा क्षेत्र के महादेवा ऑडिटोरियम में एक जनसभा को संबोधित करते हुये कहा मेडल गंगा में बहा देने से मुझे फांसी नहीं होगी मगर यह जरूर है कि मेरे खिलाफ एक भी आरोप सिद्ध हुआ तो मैं खुद फांसी पर लटक जाऊंगा। उन्होंने कहा मैं बराबर पूछ रहा हूं कि ये सब कब हुआ, कहां हुआ और किसके साथ हुआ। चार महीने हो गए, मेरे ऊपर आरोप लगाए हुए, लेकिन एक भी सबूत मेरे खिलाफ नहीं दिया गया। मैं आज भी कह रहा हूं कि अगर एक भी आरोप सिद्ध हुआ तो खुद फांसी पर लटक जाऊंगा। मैं इस पर आज भी कायम हूं। बृजभूषण ने कहा ये पहलवान मेडल गंगा में बहाने चले गए लेकिन गंगा में मेडल बहाने से बृजभूषण सिंह को फांसी नहीं होने वाली। ये सिर्फ इमोशनल ड्रामा है। अगर सबूत हैं तो पुलिस को दो और कोर्ट को दो। वही मुझे फांसी देगा। तंज भरे

लहजे में कहा कि कबीर दास ने कहा था कि ये कलयुग है कुछ भी हो सकता है। उन्होंने कहा मैं इन खिलाड़ी से बैर नहीं रखता, ये मेरे बच्चे की तरह हैं। इनकी कामयाबी में मेरा खून और पसीना लगा है। दस महीने पहले तक यही सब मुझे कुश्ती का भगवान कहते थे।

फिल्मी सफर

सत्यप्रेम की कथाः कार्तिक के गाने पर निर्माताओं ने लगाए करोड़ों रुपये

फिल्म सत्यप्रेम की कथा का जब से ऐलान हुआ है, यह लगातार चर्चा में है। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ अभिनेत्री कियारा आडवाणी की जोड़ी बनी है। फिल्म के लिए निर्माता पानी की तरह पैसे बहा रहे हैं। खबर थी कि इस फिल्म में कार्तिक–कियारा का एक धमाकेदार गाना होगा, जो अक्षय कुमार और सलमान खान जैसे सितारों की फिल्मों को कड़ी टक्कर देगा। अब इस गाने से जुड़ीं नई जानकारियां सामने आई हैं। खबरों के मुताबिक, निर्माताओं ने कार्तिक के कहने पर इस गाने में भारी निवेश किया। गाने को एक ड्रीम सीक्वेंस बताया जा रहा है, जिसमें ईसाई, मुस्लिम, गुजराती और दक्षिण भारतीय शादियों को दिखाया गया है। कार्तिक ने इस गाने पर जोर दिया था, जिसे 7 करोड़ रुपये के बड़े बजट में शूट किया गया है क्योंकि फिल्म की कहानी में कार्तिक का किरदार सत्यप्रेम शादी करना चाहता है, इसलिए शादी का यह ड्रीम सीक्वेंस गाना बिलकुल फिट बैठता है।

रिपोर्ट्स में बताया गया है कि इस गाने के लिए 4 सेट लगाए गए थे। ईसाई धर्म की शादी का सेट समारोह सेंटोरिनी, ग्रीस से प्रेरित था। गुजराती शादी के लिए मोहल्ला बनाया गया था, जबकि दक्षिण भारतीय शादी के लिए साउथ के प्रसिद्ध मंदिरों को बनाया गया था। इसके साथ ही मुस्लिम विवाह एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित किया गया था। शादी के 2 सेट मड आईलैंड में, जबकि 2 सेट मलाड के एक स्टूडियो में लगाए गए थे।

पिछले दिनों फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था। कार्तिक–कियारा की जबरदस्त केमिस्ट्री पर दर्शकों ने खूब प्यार बरसाया था। टीजर में कार्तिक कहते हैं, बातें जो कभी पूरी न हों, वादे जो अधूरे न हों, हंसी जो कभी कम न हो, आंखें जो कभी नम न हों और अगर हों तो आंसू उसके हों और आंखें मेरी हों। इससे साफ है कि फिल्म में दर्शकों को प्यार–मोहब्बत की बातों के साथ–साथ काफी ड्रामा भी देखने को मिलने वाला है। सत्यप्रेम की कथा का निर्देशन समीर विद्वांस ने किया है।

नथ जेवर या जंजीर में मेरा किरदार टू–इन–वन हैः अनुपमा सोलंकी

एक्ट्रेस अनुपमा सोलंकी नथ जेवर या जंजीर शो पाकर खुद को खुशकिस्मत मानती हैं। उनका कहना है कि वह अपने किरदार को पसंद करती हैं, जो हंसाने के साथ नेगेटिव भी है। नथ जेवर या जंजीर 15 साल का लीप ले रहा है। इस बार 99 फीसदी स्टार कास्ट बदल गई है। दरअसल, यह शो एक नया शो बन रहा है और उन्होंने शो का नाम भी बदल दिया है। इसे अब नथ कृष्णा और गौरी की कहानी से जाना जाता है।

मेरा किरदार मैडम सर और बिंदिया सरकार की भूमिका से मिला–जुला है। यह रोल टू–इन–वन है, जो नेगेटिव के साथ–साथ हंसाने वाला भी है। यह नेगेटिव शेड की तुलना में काफी नया और चुनौतीपूर्ण है। मेरा किरदार कलावती है। चाहत पांडे कृष्णा की भूमिका निभा रही हैं और मेरी मां वंदना विठालिनी की भूमिका निभा रही हैं।उन्होंने कहा, दो शैली को एक साथ निभाना सोने पर सुहागा जैसा है।

गोधरा कांड पर बनी एक और फिल्म, गोधराः एक्सीडेंट या कॉन्सपिरेसी का टीजर जारी

साल 2002 में गुजरात के गोधरा कांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इस घटना की पृष्ठभूमि पर अब तक चांद बुझ गया, परजानिया, फिराक जैसी फिल्में और डाक्यूमेंट्री फिल्में बन चुकी है। अब 21 साल बाद इस घटना पर एक और फिल्म बनने जा रही है, जिसका नाम गोधराः एक्सीडेंट या कॉन्सपिरेसी है। अब निर्माताओं ने गोधरा का टीजर जारी कर दिया है, जिसे सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है।

एक्सीडेंट ऑर कॉन्सपिरेसी गोधरा का निर्देशन एमके शिवाक्ष ने किया है, जबकि इस फिल्म का निर्माण बीजे पुरोहित और रामकुमार पाल द्वारा किया जा रहा है। यह फिल्म जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होगी। गोधराः एक्सीडेंट या कॉन्सपिरेसी गोधरा कांड की जांच के लिए गठित नानावती–मेहता आयोग की रिपोर्ट पर आधारित फिल्म है। इस फिल्म में दिखाया

जाएगा कि गोधरा कांड की सच्चाई क्या थी और गोधरा में हुए ट्रेन अग्निकांड के पीछे की कहानी क्या है।

1 मिनट और 11 सेकेंड के इस टीजर में साबरमति एक्सप्रेस ट्रेन के साथ हुए हादसे को दिखाया गया है. फिल्म के टीजर में हम देखते हैं कि ट्रेन की बोगी में लगी इस आग में 59 लोगों की जान गई थी. इसके टीजर में हमें एक फाइल भी देखने को मिलती है, जिस पर नानावटी मेहता कमीशन 2008 लिखा है.

फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने गोधराः एक्सीडेंट या कॉन्सपिरेसी का टीजर ट्विटर पर शेयर करते हुए बताया कि इसे बी जे पुरोहित और राम कुमार पाल ने प्रोड्यूस किया है.

13 साल बाद कमबैक कर रहे फरदीन, विस्फोट में अपने किरदार से करेंगे हैरान

फरदीन खान फिल्म विस्फोट के जरिए बॉलीवुड में कमबैक कर रहे हैं। एक्टर का कहना है कि उन्होंने अपने करियर में कभी भी ऐसी भूमिका नहीं निभायी, जो वो विस्फोट में निभाते नजर आएंगे। एक्टर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी नई फोटो पोस्ट की थी, जो इंटरनेट पर काफी वायरल हुईं। आईफा अवार्डस 2023 के मौके पर मीडिया से बात करते हुए एक्टर ने अपनी अपकमिंग फिल्म के बारे में बात की।

फरदीन ने कहाः मैं विस्फोट को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मेरे अच्छे दोस्त संजय गुप्ता, जिनके साथ मैंने पहले काम किया है, फिल्म का निर्माण कर रहे हैं और कूकी गुलाटी, जिनके साथ मैंने पहले एक विज्ञापन के लिए शूटिंग की है, इसका निर्देशन कर रहे हैं।

फिल्म की कहानी फरदीन के किरदार के इर्द–गिर्द घूमती है, जो एक पायलट के बेटे का अपहरण कर लेता है, जिसे रितेश देशमुख ने निभाया है। फिल्म के बारे में जानकारी साझा करते हुए अभिनेता ने कहा, यह फिल्म वेनेजुएला की फिल्म रॉक पेपर सिजर्स का हिंदी रीमेक है।

आदिपुरुष ने रिलीज से पहले ही कमा लिया मुनाफा, ऐसे वसूली मोटी रकम

प्रभास अभिनीत आदिपुरुष लगातार सुर्खियों में है। जैसे–जैसे इसकी रिलीज डेट करीब आ रही है, प्रशंसकों के इंतजार की घडिय़ां खत्म हो रही हैं। सोशल मीडिया पर फिल्म यह फिल्म ट्रेंड कर रही है क्योंकि आज यानी 29 मई को इसका दूसरा गाना राम सिया राम रिलीज हुआ है। बहरहाल, अब खबर है कि इस फिल्म के तेलुगु थिएट्रिकल राइट्स मोटे दाम पर बेचे गए हैं यानी तेलुगु भाषी राज्यों से निर्माताओं ने पहले ही बढिय़ा कमाई कर ली है। पैन इंडिया फिल्म आदिपुरुष को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जा रहा है। इसने रिलीज से पहले ही कमाल कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के तेलुगु थिएट्रिकल रिलीज के राइट्स करीब 170 करोड़ रुपये में बिके हैं। उम्मीद है कि तेलुगु राज्यों आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में फिल्म ताबड़तोड़ कमाई कर सकती है। अब फिल्म के हिंदी और बाकी भाषाओं के थिएट्रिकल राइट्स की कमाई पर लोगों की नजर टिकी है।

ओम राउत के निर्देशन में बनी आदिपुरुष को बनाने में 600 करोड़ रुपये की लागत आई है। हालांकि, पहले इसका बजट इतना नहीं था, लेकिन टीजर के बाद हुए बवाल के कारण फिल्म के वीएफएक्स पर सुधार किया, जिसके बाद खर्च बढऩे से इसका बजट बढ़ गया। बताया जा रहा है कि इस फिल्म के लिए पैन इंडिया स्टार प्रभास ने 150 करोड़ रुपये लिए हैं। यह फिल्म 16 जून को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाएगी।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा
प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074,
9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com